RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक-270 | जयपुर, रविवार, 29 मार्च 2026 | मूल्य-4 रुपये

पश्चिम एशिया संकट पर राजनाथ सिंह की अगुवाई में 'आईजीओएम' की बैठक

तेल गैस की सप्लाई टूटेगी नहीं, खाड़ी में फंसे भारतीयों की हरसंभाव मदद: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रियों के अनौपचारिक समूह (आईजीओएम) की बैठक शनिवार को हुई, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संकट से उत्पन्न स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री जितेन्द्र सिंह, रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की तस्वीर साझा कर बताया कि बैठक में ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित जोखिम, जरूरी वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता, महत्वपूर्ण अवसंरचना की मजबूती तथा भारत की आपूर्ति शृंखलाओं की स्थिति की समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा इन सभी मुद्दों पर गहन चर्चा हुई व भारत सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का आकलन किया गया। साथ यह भी स्पष्ट किया गया मोदी सरकार स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है और देशवासियों को किसी भी संभावित प्रभाव से सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से की बात

नई दिल्ली। *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस व प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत कर पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मुताबिक बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय ऊर्जा अवसंरचना पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ऐसे हमलों की भारत की ओर से कड़ी निंदा दोहराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बताया कि बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री मार्गों की सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमति जताई, ताकि वैश्विक व्यापार और आपूर्ति शृंखला बाधित न हो। प्रधानमंत्री ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए क्राउन प्रिंस के निरंतर सहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।*

रूस 4 महीने तक पेट्रोल नहीं बेचेगा

मॉस्को। *रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक का फैसला किया है। उप-प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने ऊर्जा मंत्रालय से इस प्रस्ताव को तैयार करने को कहा। रूस के मुताबिक यह कदम घरेलू सप्लाई बनाए रखने और कीमतें नियंत्रित रखने के लिए है। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे इजराइल-ईरान जंग की वजह से ग्लोबल तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्शन बाजार में अस्थिरता बढ़ी है। इससे कीमतों में उतार-चढ़ाव हो रहा है। रूस रोजाना 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। निर्यात रोकने से चीन, तुर्किये, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर जैसे देशों पर असर पड़ सकते हैं। ये देश रूसी तेल उत्पादों के बड़े खरीदार हैं। भारत पर असर कम होगा क्योंकि वह पेट्रोल नहीं, कच्चा तेल खरीदता है।*

केंद्र ने शहरी क्षेत्रों में 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन का लक्ष्य तय किया

केंद्र सरकार ने शहरी क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) सेवाओं के विस्तार और आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए बैठक आयोजित कर एकल खिड़की क्लियरेंस लागू करने व पाइपलाइन बिछाने, काम करने के लिए सड़क तोड़ने की अनुमति को तेजी से मंजूरी देने पर चर्चा की गई। साथ ही इस बैठक में 50 लाख नए पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया। केंद्रीय आवास व शहरी विकास मंत्रालय ने बताया कि यहां विज्ञान भवन में आयोजित गोलमेज बैठक में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी मौजूद रहे। बैठक में राज्यों की ओर से मंत्री प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

डिफेंडिंग आईपीएल चैंपियन आरसीबी की जीत से शुरुआत

हैदराबाद को 6 विकेट से हराया, कोहली-पडिक्कल की फिफ्टी

बेंगलुरु

डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने IPL के 19वें सीजन की शुरुआत जीत के साथ की। टीम ने शनिवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी स्न्रा ने 201 रन बनाए। RCB ने 15.4 ओवर में ही टारगेट हासिल कर लिया।

विराट कोहली ने 69, देवदत्त पडिक्कल ने 61 और रजत पाटीदार ने 31 रन बनाए। गेंदबाजी में जैकब डफी और रोमारियो शेफर्ड ने 3-3 विकेट लिए। स्न्रा से कप्तान ईशान किशन ने 80, अनिकेत वर्मा ने 43 और हेनरिक क्लासन ने 31 रन बनाए। हर्ष दुबे और जयदेव उनादकट को 1-1 विकेट मिला। डेविड पेन ने 2 विकेट लिए। रविवार को 19वें सीजन का दूसरा मैच मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

ईशान बोले- शुरुआती 3-4 ओवर में पिच पर बॉलर्स को मदद थी, हमने वहां जल्दी विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में पिच बैटिंग के लिए आसान हो गई। हमें शॉट सिलेक्शन में स्मार्ट बनना पड़ेगा। विराट भाई और उनके बैटर्स ने बेहतरीन खेल दिखाया।

जोधपुर में कॉन्स्टेबल की तस्कर पत्नी को सजा, पति सहित 4 बरी

जोधपुर

जोधपुर की विशिष्ट एनडीपीएस कोर्ट ने 17 साल पुराने ड्रग्स बरामदगी केस में शनिवार को फैसला सुनाया है। मामला महामंदिर पुलिस थाने के सरकारी क्वार्टर से मादक पदार्थों की बरामदगी से जुड़ा है। विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा की कोर्ट ने पुलिस कॉन्स्टेबल भजनलाल की पत्नी सरिता को मादक पदार्थ रखने का दोषी करार दिया है। कोर्ट ने सरिता को 2 साल की सजा सुनाई है और साथ ही 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, सबूतों के अभाव और पुलिस की तकनीकी खामियों के कारण कोर्ट ने 3 आरोपियों को बरी किया है। इनमें सह-अभियुक्त कॉन्स्टेबल भजनलाल, राजुराम, रणजीत सिंह और तारा सिंह शामलि है। मामला 21 मई 2009 का है। तत्कालीन थानाधिकारी ओमप्रकाश गौतम को सूचना मिली थी कि थाना परिसर स्थित सरकारी आवास जो कॉन्स्टेबल भजनलाल, बेल्ट नंबर 1093 के नाम आवंटित था। आवास में अवैध अफीम और स्मैक का धंधा चल रहा है। सूचना पर एसएचओ ने जाब्ते और 2 स्वतंत्र गवाहों (सलीम और देवीलाल) के साथ क्वार्टर पर दबिश दी। मौके पर भजनलाल मौजूद नहीं था, लेकिन उसकी पत्नी सरिता वहां मिली।

एलपीजी आपूर्ति को लेकर बैठक: पाइप लाइन बिछाने संबंधी स्वीकृतियां 24 घंटे में हो जारी

कालाबाजारी पर प्राथमिकी दर्ज कर लाइसेंस निरस्तीकरण करें: मुख्यमंत्री

पीएनजी और सीजीडी नेटवर्क के विस्तार को दें प्राथमिकता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को प्रतिदिन एलपीजी के संबंध में नियमित समीक्षा कर जमीनी परिस्थितियों का फीडबैक लेने के निर्देश दिए हैं। कालाबाजारी एवं ओवरप्राइसिंग में लिप्त संस्थाओं या व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई एवं बार-बार उल्लंघन करने वालों को ब्लैकलिस्ट करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आकस्मिक निरीक्षण कर

अनियमितताओं पर तुरंत कार्रवाई, स्टॉक रजिस्टर व वास्तविक भंडारण का मिलान सुनिश्चित किया जाए।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीसी के जरिए बैठक में एलपीजी आपूर्ति के संबंध में दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों को संयुक्त टीमों के तहत विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देशित किया। साथ सभी जिलों में एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं के गोदामों, एजेंसियों व वितरण केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिले में हेल्पलाइन व शिकायत पोर्टल की पूर्ण सक्रियता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा शिकायतों का 24 घंटे में त्वरित समाधान हो तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग कर मुख्य सचिव स्तर पर रिपोर्ट दी जाए। वहीं सोशल मीडिया, स्थानीय मीडिया पंचायत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। उन्होंने कहा अफवाह या गलत सूचना के कारण उत्पन्न कृत्रिम मांग को तुरंत नियंत्रित करने के साथ ही मांग और आपूर्ति की वास्तविक स्थिति का भी दैनिक आकलन किया जाए। शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को केंद्र सरकार द्वारा जारी एलपीजी आवंटन संबंधी दिशा-निर्देशों की जिलों में पूर्ण अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए निर्देशित किया।

बेकाबू थार पलटी, उछलकर बाहर गिरे 2 युवक, मौत

जोधपुर

जोधपुर के पास फलोदी जिले में दोपहर करीब 12 बजे तेज रफ्तार थार गाड़ी टायर फटने से बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। थार में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मतोड़ा थाना क्षेत्र में पड़ासला इलाके में भारतमाला एक्सप्रेसवे की है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गुजरात नंबर की थार गाड़ी भारतमाला एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार से दौड़ रही थी। अचानक गाड़ी का एक टायर फट गया। इसके कारण चालक गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा। असंतुलित होने के बाद थार हाईवे के बीच बने डिवाइडर की लोहे की रेलिंग से जा टकराई। डिवाइडर की दोनों तरफ की रेलिंग के बीच जाकर पलट गई।

उछलकर बाहर गिरे दो युवक, एक अंदर फंसा

हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के दौरान गाड़ी में सवार दो युवक उछलकर बाहर जा गिरे। दोनों युवक करीब चालीस फीट दूर जाकर गिरे। इसमें से एक थार के सनरूफ से निकलकर बाहर जा गिरा। रेलिंग से टकराने के कारण उन्हें गंभीर चोटें आईं। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सरकार का हाईकोर्ट में जवाब, जर्जर भवनों को बनाने पर निगरानी रखेगी कमेटियां

एक जुलाई से जर्जर भवनों में नहीं चलेंगे स्कूल

जयपुर

राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में कहा है कि एक जुलाई से जर्जर भवनों में स्कूल नहीं चलेंगे। हाईकोर्ट में जर्जर स्कूलों के मामले में हुई सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से एक जुलाई से जर्जर भवनों में स्कूल नहीं चलाने का भरोसा दिलाया। जजों ने जर्जर स्कूलों के लिए एक दिन का वेतन देने की घोषणा की। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भरत व्यास ने डेढ़ लाख और शिक्षा से जुड़े एडवोकेट अशोक अग्रवाल ने 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। जस्टिस महेद्र कुमार गोयल और न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने झालावाड स्कूल हादसे के बाद दर्ज याचिकाओं सहित अन्य जनहित याचिकाओं पर शनिवार को सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने सुझाव दिया कि सभी अधिकारी-कर्मचारी भी इस अभियान में सहयोग दें।

राजस्थान के जर्जर स्कूल भवनों को नए सिरे से बनाने और इन पर निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तर पर मॉनिटिंग कमेटियां बनाई गई है। झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद प्रदेश के जर्जर स्कूलों के हालात पर राजस्थान हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में सरकार ने अब तक इस दिशा में किए गए काम का ब्यौरा रखा।

सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि जर्जर स्कूलों की बिल्डिंग नए सिरे से बनाने और उनकी मरम्मत पर लगातार मॉनिटरिंग के लिए राज्य और जिला स्तर पर कमेटियां बनाई गई हैं।

कोर्ट को राज्य सरकार ने जर्जर स्कूलों की मरम्मत के प्लान के बारे में अवगत करवाया। सरकार ने कोर्ट को बताया कि केंद्र से करीब 500 करोड़ रुपए भी मंजूर हो चुके हैं।

धार भोजशाला में मप्र हाईकोर्ट के जजों ने किया गोपनीय निरीक्षण

इंदौर (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के न्यायाधीश शनिवार को केंद्रीय पुरातत्व विभाग के अधीन धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला पहुंचे। उन्होंने करीब 53 मिनट तक भोजशाला परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। आगामी 2 अप्रैल को भोजशाला मामले की सुनवाई से पहले इस दौरे को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला व आलोक अवस्थी शनिवार दोपहर

एक बजकर 52 मिनट पर भोजशाला परिसर पहुंचे। उनके साथ कलेक्टर प्रियंक मिश्रा व एसपी मयंक अवस्थी मौजूद रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच उन्होंने करीब 53 मिनट तक परिसर में रहकर हर हिस्से का बारीकी से मुआयना किया। इस दौरान पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने संरचना के संरक्षण के लिए किए गए कार्यो की जानकारी दी। गौरतलब है भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा लगभग 98 दिनों तक भोजशाला परिसर में किए सर्वे की रिपोर्ट उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की जा चुकी है और इसकी प्रतियां सभी पक्षकारों को उपलब्ध कराई जा चुकी हैं।

भोजशाला के कानूनी विवाद को लेकर गत 16 मार्च को इंदौर उच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान पक्षकारों से दावे और आपत्तियां मांगी गई थीं, उसी दौरान न्यायमूर्ति ने स्वयं भोजशाला का निरीक्षण करने की इच्छा जताई थी। साथ ही दो अप्रैल की तारीख सुनवाई के लिए निर्धारित की थी।

मामले की सुनवाई से पहले न्यायाधीश शनिवार को धार पहुंचे। न्यायाधीशों के आगमन की सूचना मिलते ही सुबह से ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया था।

न्यायमूर्ति के दौरे को देखते हुए भोजशाला के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। निरीक्षण के दौरान न्यायमूर्ति शुक्ला ने भोजशाला परिसर के भीतर स्तंभों की नक्काशी, प्राचीन खंभों पर उकेरी गई आकृतियों और ऐतिहासिक शिलालेखों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने दीवारों पर अंकित लिपियों को भी ध्यानपूर्वक देखा। साथ ही एएसआई द्वारा किए गए सर्वे के निशानों और चिन्हित स्थलों की जानकारी ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

पश्चिम एशिया युद्ध के संकट से देश को एकजुट होकर लड़ना है: मोदी

नोएडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यूपी के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के फेज-1 का उद्घाटन किया। यह अभी देश का सबसे बड़ा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। 4 फेज पूरे होने पर एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट हो जाएगा। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से इजराइल-अमेरिका और ईरान की जंग से उपजे संकट से एकजुट होकर लड़ने की अपील की। उन्होंने कहा- कल सभी राज्यों के सीएम से चर्चा हुई। देशवासियों से कहूंगा कि धैर्य और एकजुटता के साथ इस संकट का सामना करें। ये पूरी दुनिया को परेशान करने वाला संकट है। प्रधानमंत्री ने कहा- देश के

राजनीतिक दलों से कहना चाहता हूं कि संकट की घड़ी में ऐसी बातें करने से बचें, जो देश के लिए नुकसानदायक हैं। देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों को जनता कभी माफ नहीं करेगी।पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है। इसके चलते कई देशों में संकट पैदा हो गया है। भारत बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और गैस युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों से मंगाता है। इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है, जिससे सामान्य परिवारों और किसानों पर बोझ न पड़े। 140 करोड़ देशवासी इस मुसीबत का एकजुट होकर सामना करें।

'नोएडा को पहले अपने हाल पर छोड़ दिया गया था'

नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था। कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया। अखिलेश इतने डरे हुए थे कि वे कार्यक्रम में आए ही नहीं। मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया- नोएडा मत जाइए। अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं।

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था

सपा ने पश्चिमी यूपी को लूट का एटीएम बना दिया था। जब हमारी सरकार बनी तो यूपी में सपा की सरकार थी। शुरू के 2-3 सालों में उन्होंने जेवर एयरपोर्ट का काम नहीं होने दिया, लेकिन जैसे ही यहां भाजपा सरकार बनी तो जेवर एयरपोर्ट की नींव पड़ी, निर्माण हुआ और अब शुरू भी हो गया।

एयरपोर्ट की सबसे बड़ी खूबी यह है कि एंट्री के बाद 20 मिनट से कम समय में बोर्डिंग संभव है। एशिया की सबसे बड़े एयरपोर्ट की बात करें तो अभी चीन का बीजिंग डेक्सिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। इसका एरिया 47 स्क्वायर किमी है।

इंडिगो फ्लाइट का इंजन फेल, दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग

वाइब्रेशन के बाद एक इंजन बंद हुआ, 160 पैसेंजर सवार थे

नई दिल्ली

विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई579 की शनिवार सुबह दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 160 यात्री सवार थे। दिल्ली के पास पहुंचते समय विमान के इंजन नंबर-1 में खराबी आई। पायलट को CFM-56 इंजन में तेज वाइब्रेशन महसूस हुआ, इसके बाद इंजन बंद हो गया। पायलटों ने इमरजेंसी घोषित की। दिल्ली एयरपोर्ट से मदद मांगी। फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक सुबह 10.53 बजे इमरजेंसी कॉल आया। टीम को अलर्ट पर रखा गया। विमान ने रनवे 28 पर

सुरक्षित लैंडिंग की। सभी यात्री और क्रू उतारे गए। विमान की सुरक्षित लैंडिंग के लिए एयरपोर्ट के रनवे 28 पर 'फुल इमरजेंसी' लागू की गई थी। स्ह्नक्के तहत रनवे के चारों ओर दमकल की गाड़ियां और एंबुलेंस मौजूद थीं।

फ्लाइट 6श्व 579 में लैंडिंग से ठीक पहले एक तकनीकी खराबी सामने आई। सावधानी बरतते हुए और तय नियमों के मुताबिक पायलटों ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल से पहले लैंडिंग की अनुमति मांगी। इसके बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली के आईजीआई पर उतारा गया। घटना की जानकारी अधिकारियों को दी गई। विमान की जांच और जरूरी मेंटेनेंस किया जा रहा है। जनवरी 2025 से देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के कुल 754 विमानों की तकनीकी जांच की गई। इनमें से 377 विमानों में बार-बार आने वाली खराबियों की पहचान हुई। यानी एक ही खराबी बार-बार सामने आई, भले ही उसे पहले ठीक कर दिया गया था।

दिल्ली में मौसम का मिजाज बदला, बारिश और तेज हवाओं का यलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में कड़कती धूप और बढ़ती गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में अगले चार दिनों तक तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना जताते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम में यह बदलाव 28 मार्च से सक्रिय हो रहे एक नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण देखने को मिलेगा, जिसके चलते दिल्ली के विभिन्न इलाकों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, बृहस्पतिवार देर रात से ही आसमान में बादलों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है। शुक्रवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे और सुबह से दोपहर के बीच गरज-चमक के साथ हल्की फुहारें गिरने के आसार हैं। हालांकि 28 मार्च को मौसम थोड़ा शांत रह सकता है, लेकिन 29 मार्च को एक बार फिर बादलों के बरसने की प्रबल संभावना है। सबसे अधिक प्रभाव 30 मार्च को देखने को मिल सकता है, जब दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी और बारिश के साथ मौसम खुशनुमा हो जाएगा। इस बदलाव के बाद तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को दिल्लीवासी तेज धूप और उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। दिन का अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी का अधिकतम स्तर 77 प्रतिशत और न्यूनतम 25 प्रतिशत रहा। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दिनों में होने वाली यह बूंदाबांदी मार्च के अंत में बढ़ते पारे पर लगाम लगाएगी और धूल भरी हवाओं से भी राहत दिलाएगी।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने भारत-मिडिल ईस्ट के बीच 22 नई फ्लाइट बढ़ाईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार के लिए अद्यतन अंतरराष्ट्रीय उड़ान कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें भारत और पश्चिम एशिया के प्रमुख गंतव्यों के बीच संचालित होने वाली 22 निर्धारित और गैर-निर्धारित उड़ानों की पुष्टि की है। एयरलाइनों ने बताया कि संशोधित योजना क्षेत्र में वर्तमान यात्रा पैटर्न और परिचालन आवश्यकताओं को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट में बयान के मुताबकि एयर इंडिया जेद्दा से आने-जाने वाली चार निर्धारित उड़ानें संचालित करेगी, जिनमें दिल्ली और मुंबई से दो-दो उड़ानें शामिल हैं। मुंबई-रियाद मार्ग पर दो और निर्धारित उड़ानें संचालित होंगी। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस मस्कट और रियाद से आने-जाने वाली चार-चार उड़ानों के साथ इन मार्गों को और मजबूत करेगी। मस्कट की उड़ानें दिल्ली और मुंबई से संचालित होंगी, जबकि रियाद की उड़ानें बेंगलुरु और कोझिकोड से शुरू होंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों एयरलाइनें हवाईअड्डों पर उपलब्ध स्लॉट और मौजूदा जमीनी परिस्थितियों के आधार पर संयुक्त अरब अमीरात से आने-जाने वाली आठ अनियमित उड़ानें भी संचालित करेंगी। इन अतिरिक्त उड़ानों का उद्देश्य यात्रियों की भारी मांग को प्रबंधित करना और उनके लिए अधिक क्षमता सुनिश्चित करना है। प्रेस नोट में उस दिन की निर्धारित, अनियमित और अस्थायी रूप से निलंबित सेवाओं की पूरी सूची दी गई है। जेद्दा, रियाद और मस्कट जैसे मार्गों पर नियमित उड़ानें जारी रहेंगी, जबकि दुबई और अबू धाबी समेत यूएई के कुछ एयरपोर्ट पर केवल अनियमित उड़ानें ही चलेंगी।

पेड पीरियड लीव : कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ कोर्ट पहुंची 15 कामकाजी महिलाएं

जयपुर (एजेंसी)। बेंगलुरु,(ईएमएस)। कर्नाटक में कामकाजी महिलाओं के लिए पेड पीरियड लीव को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राज्य की कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर 2025 को सभी सरकारी और निजी सेक्टर की महिलाओं को हर महीने एक दिन की पेड पीरियड लीव देने का आदेश दिया था। इस आदेश के तहत महिलाओं को उस दिन की सैलरी भी मिलेगी। हालांकि, कर्नाटक सरकार के आदेश के खिलाफ अब बेंगलुरु की 15 निजी कंपनियों में मैनेजर पद पर कार्यरत महिलाओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इन महिलाओं का तर्क है कि पुरुष और महिला के बीच अलग नियम बनाना कार्यस्थल पर समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। उनका कहना है कि इस तरह की अनिवार्य छुट्टी महिलाओं को कमजोर दिखाने वाली सोच को बढ़ावा देती है और नियोक्ता उन्हें पुरुषों से कम सक्षम समझ सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने रेप के आरोपी को नहीं दी जमानत, भरोसा तोड़ना भी माना अपराध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोपी को जमानत देने से इंकार किया है। जस्टिस गिरीश कठपालिया की बेंच ने आदेश में कहा कि यह मामला केवल बलात्कार तक सीमित नहीं है, बल्कि रिश्ते में भरोसे को तोड़ना भी अपराध है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई मानकर राखी बांधी थी और पीड़िता उस पर भरोसा करती थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बताया कि एफआईआर में पीड़िता ने घटना विस्तार से बताकर कहा कि उसने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने पीड़ित को काबू कर कपड़े से मुंह बंद कर दिया। जस्टिस कठपालिया ने कहा, ऽयह सिर्फ बलात्कार का मामला नहीं है। पीड़िता ने आरोपी को अपना भाई माना और उस पर भरोसा किया। इन परिस्थितियों को देखकर जमानत देना उचित नहीं है। मामला साल 2021 का है, जब 13 साल की नाबालिग ने आरोप लगाया कि आरोपी ने बहाने से होटल ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। उसी साल रेप का केस दर्ज होने के बाद आरोपी हिरासत में था। मार्च 2026 में उसने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

आरोपी के वकील विवेक त्रिपाठी ने जमानत का आधार पर बताया कि आरोपी बीते साढ़े चार साल से हिरासत में है। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक संजीव सभरवाल ने अपराध की गंभीरता को देखकर जमानत देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट में पीड़िता की गवाही पूरी तरह से अभियोजन के पक्ष में है और अब केवल दो औपचारिक गवाहों की जांच बाकी है। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश से यह स्पष्ट हो गया कि नाबालिग के प्रति भरोसे का उल्लंघन भी गंभीर अपराध माना जाएगा। अदालत ने कहा कि जमानत देने से न्याय के अधिकार और पीड़िता के विश्वास की रक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार, आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

सीएम नीतीश से मिला बेटा निशांत तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? कहीं कमाने गए थे क्या?

-कांग्रेस नेता बोले- नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को निपटाना चाहती बीजेपी

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला बोला। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राठौड़ ने अखबारों का हवाला देते हुए कहा कि एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार का 50 साल बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन कल अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 साल का बेरोजगार है, वह 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वह उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? राठौड़ ने कहा कि 2005 के बाद निशांत पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए। आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दियाज्दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी है।

राहुल गांधी में कार्यकर्ता जितनी समझ अच्छी बात, कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है

-केरल के सीएम वियजन के बयान पर कांग्रेस नेताओं ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सीएम की ओर से राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जताई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि यह तो अच्छी बात है न कि राहुल जी के अंदर कार्यकर्ता जितनी समझ है, क्योंकि कार्यकर्ता जमीन से जुड़ा होता है। हमें इस बात पर गर्व है। जो लोग हवा में उड़ते हैं वो यह नहीं जानेंगे। बता दें एक दिन पहले केरल सीएम पिनाराई विजयन ने कहा था कि राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। यह समझना मुश्किल है कि उनका इतना बुरा हाल कैसे हो रहा है। वहीं कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि केरल में हम आसानी से जीतेंगे। हमारी उम्मीदें दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। लोगों का मूड कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के पक्ष में है। आप देख सकते हैं कि केरल का पूरा मूड बदलाव का है, सरकार बदलने का है। हमें चुनाव जीतने का पूरा भरोसा है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव, मची अफरा-तफरी, कई घायल, एक दर्जन लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के अहिल्यनगर जिले के श्रीरामपूर शहर में रामनवमी का जुलूस निकाल रहा था। गुरुवार शाम जुलूस सय्यद बाबा चौक से गुजरा, तभी अचानक पथराव शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग नाच-गा रहे थे, तभी मस्जिद के पीछे से अज्ञात लोगों ने पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। इस पथराव में तीन लोग घायल हो गए। घायलों में से एक की हालत गंभीर थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पथराव होते ही जुलूस में अफरा-तफरी मच गई और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला और भीड़ को वहां से हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांति बनाए रखने की अपील की। पुलिस ने मस्जिद के मौलाना समेत 10 से 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चंडीगढ़ में दो दिवसीय एयर शो का आगाज, सूर्यकिरण टीम ने दिखाए रोमांचक करतब

-सुरक्षा के कड़े इंतजाम के बीच सुखना लेक आम लोगों के लिए बंद

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सुखना लेक पर शुक्रवार से दो दिवसीय एयर शो का भव्य आगाज हुआ, जिसमें भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम ने आसमान में शानदार करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। शो देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे, हालांकि प्रवेश केवल प्री-बुकिंग के आधार पर ही दिया गया।

एयर शो के दौरान हर दिन लगभग 10 हजार दर्शकों के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुखना लेक को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। आयोजन स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चंडीगढ़ के चीफ सेक्रेटरी राजेश प्रसाद भी मौजूद रहे। प्रशासन ने दर्शकों के लिए खुले में बैठने की विशेष व्यवस्था की है ताकि सभी लोग आराम से एयर शो का आनंद ले सकें।

इस एयर शो की खास बात यह है कि इसमें चंडीगढ़ के दो पायलट भी हिस्सा ले रहे हैं। विंग कमांडर तेजेश्वर सिंह सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, जबकि विंग कमांडर दिवाकर शर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। तेजेश्वर सिंह आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडी मंदिर के 2005 बैच के छात्र रह चुके हैं। उनके साथ फ्लाइट लेफ्टिनेंट कमल संधू भी टीम में शामिल हैं।

एयर शो के दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम भी तैनात की गई है, जो आसमान में उड़ने वाले पक्षियों पर नजर रख रही है, ताकि विमानों की उड़ान में कोई बाधा न आए। हालांकि सुबह हल्की बूंदाबांदी हुई, लेकिन इसका कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा और तय समय पर एयर शो सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह आयोजन शहरवासियों और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

बंगाल में बदली भाजपा की रणनीति... ममता सरकार के खिलाफ आज शाह जारी कर सकते हैं चार्जशीट

बड़ी रैलिया के साथ ही डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। इस बार पार्टी बॉटम-अप (नीचे से ऊपर की ओर) और क्षेत्र-विशिष्ट अभियान पर ध्यान केंद्रित करने में जुटी है। भाजपा का मुख्य लक्ष्य तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता और उसके आसपास के जिलों की 100 से अधिक सीटों पर जीत पाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 28 मार्च को टीएमसी सरकार के खिलाफ एक चार्जशीट जारी करने वाले है। इसमें सत्ताधारी ममता सरकार के कथित कुशासन और भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा दिखाया गया है। इसके साथ ही पार्टी एक श्वेत पत्र भी जारी करेगी, जिसमें टीएमसी सरकार की विफलताओं को उजागर करेगी। बात दें कि आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की बड़ी रैलियों की योजना बनाई है। 2021 के विपरीत इस बार भाजपा डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाएगी। लोकल समस्याओं को मुद्दा बना रही है। पिछले चुनाव में भाजपा को केंद्रीय नेताओं को रैलियों पर भरोसा था।

भाजपा की नई योजना के मुताबिक, कोलकाता में कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक विफलता और हालिया आरजी कर (आरजी कर) जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करना है। वहीं, उत्तर 24 परगना (पानीहाटी) में कचरा डंपिंग जैसे स्थानीय मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा। अलीपुरद्वार में शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य ढांचे की कमियों को मुद्दा बनने की तैयारी है। पार्टी ने हर क्षेत्र के लिए अलग चार्जशीट तैयार की है, इस चार्जशीट को कार्यकर्ताओं द्वारा सीधे जनता तक पहुंचाया जाएगा।

भाजपा ने कोलकाता, हावड़ा, हुगली, दक्षिण और उत्तर 24 परगना के जिलों में 100 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। कोलकाता की 29 सीटें वर्षों से टीएमसी का मजबूत किला रही हैं, जहां ममता के दिग्गज मंत्री और विधायक चुनाव लड़ते हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने इस बार जमीनी नेताओं को तरजीह दी है। भाजपा ने माणिकतला सीट से टीएमसी छोड़कर आए तापस रॉय, भवानीपुर से शुभेंदु अधिकारी को उतारा है।

उत्तर बंगाल में 2021 में भाजपा यहां मजबूत स्थिति में थी। 34 सीटें मिली थीं। इस बार लक्ष्य 54 में से 45 सीटें जीतने का है। पार्टी यहां न्यू नॉर्थ बंगाल का नारा दे रही है और चाय बागान श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठा रही है। पार्टी माइक्रो-लेवल बूथ मैनेजमेंट पर जोर दे रही है ताकि केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी हर घर तक पहुंचाई जा सके।

महाराष्ट्र विधानसभा में फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच गिरफ्तार, कर्मचारी भी शामिल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र पुलिस ने विधानसभा सत्र के दौरान फर्जी प्रवेश पास बनाने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला तब सामने आया जब एक शिकायत में अनधिकृत पासों के वितरण का जिक्र किया गया। सत्र के दौरान राज्यमंत्री उदय सामंत ने यह मुद्दा उठाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच की और इस रैकेट से जुड़े पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि इनमें से कुछ मंत्रालय से जुड़े कर्मचारी हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबाले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक और भी संदिग्ध इसमें शामिल हैं और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। इस मामले ने एक अहम विधायी सत्र के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि फर्जी पास कैसे बनाए गए, इस प्रक्रिया को किसने अधिकृत किया और क्या किसी अंदरूनी व्यक्ति के समर्थन से यह जालसाजी संभव हुई।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा: खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही वाधित हुई।

प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया। देखते ही देखते बहस ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के विधायकों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने की कोशिश की। हालांकि, हंगामा बढ़ने के कारण सदन की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित करनी पड़ी।

छोटी बच्ची ने भेंट किया खिलौना बुलडोजर हंसी नहीं रोक सके सीएम योगी

-बच्ची के साथ खिंचवाई तस्वीर, खूब पढ़ने की दी नसीहत, गौरखपुर दौरे पर हैं सीएम

गोरखपुर (एजेंसी)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ गोरखपुर दौरे पर हैं। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान उन्हें कानपुर से आई एक छोटी बच्ची ने खिलौना बुलडोजर भेंट किया। ये नजारा देखकर वहां मौजूद सभी हंसने लगे। सीएम योगी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। उन्होंने पहले तो बच्ची को पास बुलाया, फोटो खिंचवाई और फिर उसे खूब पढ़ाई करने की नसीहत दी। बाद में सीएम ने बच्ची को उसका खिलौना वापस कर दिया।

फिलहाल, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। खुद सीएम योगी के ऑफिस की और से इसको शेयर किया है। इसमें लिखा है। यह नन्हा सा उपहार बड़े विश्वास का प्रतीक है, यह भरोसे की मासूम अभिव्यक्ति है...आज सुबह गोरखनाथ मंदिर में भ्रमण के दौरान सीएम को कानपुर की पांच साल की यशस्विनी ने बुलडोजर खिलौना भेंट किया। वीडियो को मिनटों में हजारों लोग ने देखा। बता दें इससे पहले सीएम योगी ने शुक्रवार को राम नवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान राम भारतीय चेतना के आदर्श का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि राम करुणा और कर्तव्य के बीच एक अद्भुत संतुलन का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, सत्य और मर्यादा के सर्वोच्च प्रतीक भगवान राम की जयंती पर सभी भक्तों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बता दें गुरुवार को गोरखपुर में सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे अवैध जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और चेतावनी दी कि गरीबों को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने जनता दर्शन में 200 लोगों से मुलाकात की, उनके आवेदन लिए और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करेगी। योगी ने संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को आवेदन भेजे, और उन्हें निर्देश दिया कि वे समय पर और संतोषजनक ढंग से उनका निपटारा करें।

अमेरिका में फिर बढ़ने लगे कोरोना के मामले... भारत में क्या स्थिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में फिर कोरोना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी ने चिंता पैदा कर दी है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, वायरस का एक नया बीए.3.2 वेरिएंट सामने आया है। सीडीसी के अनुसार, 11 फरवरी तक बीए.3.2 वेरिएंट 23 देशों में मिला है। एक्सपर्ट का कहना है कि यह वेरिएंट इम्यून सिस्टम को आंशिक रूप से चकमा देने की क्षमता रखता है, जिससे दोबारा इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि मौजूदा स्थिति पहले जैसी गंभीर नहीं है। पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में लोग वैक्सीन ले चुके हैं या इंफेक्शन से गुजर चुके हैं, जिससे लोगों में हाइब्रिड इम्यूनिटी विकसित हो चुकी है। इसकारण भले ही इंफेक्शन बढ़े, लेकिन गंभीर मामलों की संभावना पहले की तुलना में कम हो सकती है।

अब सवाल उठता है कि क्या इसका असर भारत पर भी पड़ सकता है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोरोना वायरस अब पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह एक एंडेमिक वायरस बन चुका है, यानी समय-समय पर इसके केस बढ़ते-घटते रहने वाले है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ नए वेरिएंट के आने का मतलब यह नहीं है कि फिर से महामारी जैसी स्थिति बनेगी।

जानकार डॉक्टर ने बताया कि कोरोना वायरस अब एक एंडेमिक बीमारी बन चुका है, यानी यह पूरी तरह खत्म नहीं होगा बल्कि समय-समय पर नए रूप में आता रहेगा। डॉक्टर का कहना है कि नए वेरिएंट की वजह से इंफेक्शन के मामले बढ़ सकते हैं। लेकिन ज्यादातर मामलों में लक्षण हल्के से मध्यम रह सकते हैं, जैसे बुखार, खांसी और थकान। कुछ लोगों को ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

एक्सपर्ट का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। हेल्थ सिस्टम अब पहले से ज्यादा तैयार है और टेस्टिंग, इलाज और वैक्सीनेशन के बेहतर इंतजाम मौजूद हैं। इसके बावजूद, निगरानी बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

राजस्थान पुलिस अजमेर रेंज की 27वीं खेलकूद प्रतियोगिता का भीलवाड़ा में शुभारंभ

28 से 30 मार्च तक रिजर्व पुलिस लाईन, भीलवाडा में विभिन्न खेलो का होगा रोमांचक मुकाबला

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान, पुलिस की रेन्ज स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 27वीं अजमेर रेंज की खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 का पुलिस लाईन, भीलवाड़ा में शनिवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन रूपिन्दर सिंह आईपीएस अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल राजस्थान, जयपुर द्वारा किया गया । रेंज स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता तीन दिवसीय दिनांक 28 मार्च से 30 मार्च तक आयोजित की जाएगी, जिसमें अजमेर रेंज के विभिन्न जिलों और इकाइयों की टीमें भाग ले रही हैं।प्रतियोगिता में पीटीएस किशनगढ़, पीटीएस सिलोरा, जीआरपी अजमेर, टोंक, डीडवाना-कुचामन, ब्यावर, अजमेर, नागौर और भीलवाड़ा की टीमें शामिल हैं। तीन दिवसीय इस आयोजन में कुल 09 खेल जिनमें ऐथेलेटिक्स, बास्केटबॉल, वॉलीबाल, जूडो/कुश्ती, वेट लिफ्टिंग, हैण्डबाल, कबड्डी, फुटबॉल व हॉकी की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। इन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन रिजर्व पुलिस लाईन भीलवाड़ा व सुशीला देवी माथुर कन्या महाविद्यालय के खेल मैदान पर आयोजित की जा रही हैं। इस प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल अधिकारी श्री हेमेन्द्र सिंह राणावत के सहयोग किया जा रहा है। जिनमें पुलिस जवान अपनी खेल प्रतिभा और शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

उद्घाटन समारोह के दौरान पुलिस के घुड़सवारी दल द्वारा शानदार अनुशासित और आकर्षक करतब प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रूपिन्दर सिंह आईपीएस अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्म्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल राजस्थान, जयपुर द्वारा टस्च् फायर, हर्षोल्लास में गुब्बारों को आकाश में छोडकर प्रतियोगिता का शुभारंभ व घोषणा कर प्रतियोगिता मे भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों से परिचय किया व अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों के लिए खेल विशेष रूप से आवश्यक हैं, क्योंकि इससे उनकी कार्यक्षमता, सहनशक्ति और मानसिक दृढ़ता का विकास होता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पुलिसकर्मी अनिश्चित परिस्थितियों में कार्य करते हैं, ऐसे में उनका शारीरिक रूप से फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह चौधरी आईपीएस महानिरीक्षक पुलिस अजमेर रेन्ज अजमेर, एसपी धर्मेंद्र सिंह भीलवाड़ा, हर्षवर्धन अगरवाला पुलिस अधीक्षक अजमेर, रतन सिंह पुलिस अधीक्षक ब्यावर, लोकेश सोनवाल पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर, हेमेन्द्र सिंह राणावत जिला खेल अधिकारी भीलवाड़ा, पारसमल जैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भीलवाडा, रोहित कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीकाउ, हेमन्त कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्वरित अनुसंधान सैल, बुद्धराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा, राजेश आर्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा, नूर मोहमद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागौर, नेमीचंद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डीडवाना-कुचामन, पुष्पेन्द्र सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा टोंक, राजेन्द्र सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीटीएस सिलोरा व उप पुलिस अधीक्षक भीलवाडा एवं पुलिस कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क किनारे खड़े लोगों को ट्रक ने रौंदा, पिता पुत्री की मौत

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। कोटड़ी क्षेत्र में शनिवार दोपहर को एक बड़ा दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें सड़क किनारे खड़े बाइक सवार लोगों को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, इस हादसे में पिता व पुत्री की मौत हो गई, जबकि सास व बहू गंभीर रूप से घायल हो गई । सभी को भीलवाड़ा जिला मुख्यालय भेजा गया । सूचना पर कोटड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची । कांटी प्रशासक रतन लाल बलाई ने बताया कि कोटड़ी - हाजीवास रोड़ पर सगतपुरिया व सोडियास चौराहे के बीच सड़क किनारे खड़े बाइक सवार परिवार को एक तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया, इस बीच ग्रामीणों ने घायलों को निजी वाहन की मदद से कोटड़ी चिकित्सालय भेजा, जहां हालत गंभीर होने पर 108 एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय रेफर किया गया । जहां डॉक्टर ने कांटी निवासी भेरूलाल पिता बंशी नाथ व रिया पुत्री भेरुलाल नाथ को मृत्यु घोषित किया । गंभीर घायल हीरा पत्नी बंशी नाथ और बहु समती पत्नी भेरुलाल नाथ का जिला चिकित्सालय में इलाज जारी है । सूचना पर कोटड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची । पारिवारिक कार्यक्रम के चलते भेरूलाल परिवार के साथ कोटड़ी में कपड़े की खरीदारी करने जा रहा था, इसी दौरान बीच रास्ते में यह हादसा हो गया।

दावे हवा-हवाई, जमीन पर लंबी कतार!

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

एक तरफ सरकार कहती है 'गैस की कोई कमी नहीं', दूसरी तरफ भीलवाड़ा के गांधीनगर में अपनी बारी के इंतजार में घंटों खड़े उपभोक्ता। आखिर इन लंबी लाइनों का जिम्मेदार कौन—सिस्टम की सुस्ती या दावों की हकीकत?

हल्ला बोल भ्रष्टाचार के खिलाफ मुंह खोल

अधूरे सीवरेज कार्य के खिलाफ कांग्रेस का सर्किट हाउस के बाहर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। शहर के सर्किट हाउस के बाहर शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हल्ला बोल भ्रष्टाचार पर मुंह खोल के तहत विरोध प्रदर्शन किया। जिसमें नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक के नेतृत्व और प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मनोज पालीवाल के सानिध्य में लोगों ने शहर में बढ़ते भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं पर जोरदार आवाज उठाई हैं। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में चल रहे सीवरेज कार्य में भारी अनियमितताएँ हुई हैं जिसके कारण सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है। टूटी सड़कों, उड़ती धूल और रोज़ बढ़ती दुर्घटनाओं से जनता परेशान है लेकिन प्रशासन और जनप्रतिनिधि मौन बने हुए हैं। ऐसे में विभाग और ठेकेदारों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मनोज पालीवाल ने कहा कि भीलवाड़ा सर्किट हाउस के बाहर नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक के नेतृत्व में हल्ला बोल भ्रष्टाचार पर मुंह खोल कार्यक्रम के तहत विरोध प्रदर्शन किया गया है। सीवरेज का जो कार्य हुआ है वह आधा गिलास खाली - आधा गिलास भरा की तरह हुआ है सीवरेज का कार्य भ्रष्टाचार से परिपूर्ण है। भले ही 100 फीट रोड हो उसे रोड से कोई व्यक्ति नहीं निकल पाता है। वही पुरानी आरटीओ रोड पर भी आधा काम किया और आधा काम करके छोड़ दिया है ऐसे कई सड़क है भीलवाड़ा में जहां पर आधा अधूरा काम किया हुआ है। यहां सर्किट हाउस पर भी 500 मीटर की रोड है लेकिन यहां पर भी आधा काम करके छोड़ दिया गया है और यहां पर 25 फीट का गहरा गड्ढा कर दिया गया है। इस गड्ढे में कोई भी गिर सकता है लोगों की जान जोखिम में डालने का सरकार काम कर रही है। हमें आशंका है कि इस अमृत 0.2 का जो ठेकेदार है उसका के किसी मंत्री के साथ साझेदारी है जिसके तहत इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है इस रोड पर विधायक , सांसद , कलेक्टर , एसपी का आना-जाना रहता है तमाम मंत्रियों का आना-जाना रहता है लेकिन इस पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।

नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक ने कहा कि आज सर्किट हाउस के चौराहे पर हमने शिवराज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है पिछले डेढ़ साल से यह है कि सीवरेज का कार्य चल रहा है और 2 साल होने को आ गए हैं लेकिन अभी तक यह काम अधूरा पड़ा हुआ है।

बरण में चारागाह भूमि पर अवैध खनन रुकवाने की मांग

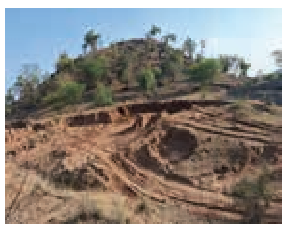

स्मार्ट हलचल

बेरा। बनेड़ा उपखंड क्षेत्र के बरण ग्राम पंचायत के बनेड़ा रोड पर पिछले कई दिनों से चारागाह भूमि पर अवैध खनन किया जा रहा है जिसे रोकने के लिए विकास अधिकारी को रिपोर्ट देकर ग्राम वासियों ने मांग की। रिपोर्ट में बताया कि कुछ गांव के ही प्रभावशाली लोगों द्वारा चारागाह भूमि पर अवैध खनन मिट्टी खोदी जा रही हैं जिससे चारागाह भूमि नष्ट हो रही है जल्दी से जल्दी उसको रोका नहीं गया तो जानवरों को चरने के लिए जगह ही नहीं बचेगी ग्रामीणों ने बताया कि समस्त ग्रामवासियों ने विकास अधिकारी को रिपोर्ट देकर अवैध खनन रोकने की मांग की।

कागजों में चला फार्मर रजिस्ट्री कैंप, मौके पर नहीं पहुंचे अधिकारी

घंटों इंतजार करते रहे किसान, नाराज ग्रामीणों ने जताया विरोध

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर

उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बाकरा में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री कैंप प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ गया। निर्धारित समय पर अधिकारी नहीं पहुंचने से किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

उपखंड अधिकारी के आदेशानुसार शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक फार्मर रजिस्ट्री कैंप आयोजित किया जाना था, लेकिन दोपहर एक बजे तक भी कैंप स्थल पर कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं पहुंचा।

दूर-दराज से आए किसान अपने कार्य के लिए घंटों पंचायत के चक्कर काटते रहे, लेकिन कैंप केवल कागजों तक ही सीमित नजर आया। इससे किसानों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

ग्रामीणों ने प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें बिना वजह परेशान होना पड़ा और उनके जरूरी कार्य अधूरे रह गए।

पूर्व सरपंच राकेश कुमार खटीक और प्रशासक प्रतिनिधि वीरेंद्र मीना ने इस मामले को गंभीर बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इस दौरान सत्यनारायण सेन, जेपी सालवी, इंद्रराज मीना, रघुनाथ गुर्जर सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया।

बिलिया में डिवाइडर से टकराकर गैस सिलेंडरों से भरा टेंपो पलटा

सड़क पर बिखरे सिलेंडर, मची अफरा-तफरी

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के पुर रोड स्थित बिलिया क्षेत्र में शनिवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब इंडेन गैस सिलेंडरों से भरा एक लोडिंग टेंपो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया और पलट गया। हादसे के बाद टेंपो में लदे गैस सिलेंडर सड़क पर बिखर गए, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टेंपो तेज रफ्तार में था, इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया। हादसे के बाद सड़क पर सिलेंडर फैल गए, जिससे कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और न ही कोई राहगीर या वाहन चालक इन सिलेंडरों की चपेट में आया, वरना गंभीर जनहानि हो सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही प्रताप नगर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए सड़क पर बिखरे सिलेंडरों को हटवाकर यातायात सुचारू करवाया।

लाडपुरा में नेजे निकाल की सुख-समृद्धि की कामना

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। नवरात्र महोत्सव के साथ-साथ कस्बे सहित क्षेत्र में चल रहे चैत्र नवरात्रि महोत्सव का शनिवार को पाती विसर्जन कार्यक्रम के साथ ही समापन हुआ। दशमी पर लोगों ने माताजी की पूजा-अर्चना की। नवरात्र समापन पर नेजे निकाले गए। खेड़ा खूंट माताजी के ठाकुर रणजीत सिंह शक्तावत की उपस्थिति में मां दुर्गा द्वारा पांती देने के उपरांत नेजे निकाले गए। वहीं खेड़ा खूंट माताजी व भैरू जी के मंदिर से नेजे निकालकर भक्तों ने परंपरागत तरीके से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। रावले के बाहर ग्रामवासियों की उपस्थिति में कई देवी-देवताओं के भाव आए और आगामी मौसम, बारिश एवं फसलों की जानकारी दी गई। खेड़ा खूंट माताजी के पुजारी नारू भील ने बताया कि नेजा यात्रा का शुभारंभ खेड़ा खूंट माताजी मंदिर प्रांगण से हुआ जो शंकर पटेल के कूड़े से माली मोहल्ला, चारभुजा नाथ, रावला चौक, पिपली चबूतरा, धाकड़ मोहल्ला, घास भैरू, वाले से होते हुए खेड़ा खूंट माताजी पर पहुंचा। ढोल-नगाड़ों के साथ गाजे बाजे के साथ शंकर पटेल के कूड़े पर पाती का विसर्जन किया गया। ठाकुर शक्तावत ने बताया कि लोक संस्कृति को सहेजने का यह ऐसा माध्यम है कि लोगों में ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ती है। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे।

विप्र फाउंडेशन ने किया लोक अभियोजकों का भव्य सम्मान

एडवोकेट राजेश शर्मा कर्नल बोले— अधिवक्ताओं के अधिकारों की रक्षा मेरी प्राथमिकता

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

ब्राह्मण समाज के वैश्विक संगठन विप्र फाउंडेशन द्वारा समाज उत्थान की दिशा में एक और सराहनीय पहल करते हुए लोक अभियोजकों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोटा रोड स्थित एक निजी रिसोर्ट में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विप्र फाउंडेशन जोन-1 के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व बार एसोसिएशन जयपुर अध्यक्ष एडवोकेट राजेश शर्मा कर्नल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम जी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। समारोह की अध्यक्षता बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष राजेश शर्मा ने की। जिला महामंत्री डॉ. लोकेश तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि विप्र फाउंडेशन पिछले 15 वर्षों से समाजहित में निरंतर सक्रिय रहते हुए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन करता आ रहा है। इस अवसर पर एडवोकेट अनुराग आचार्य, एडवोकेट अनिल शुक्ला एवं एडवोकेट दिनेश जोशी के लोक अभियोजक बनने पर उन्हें मेवाड़ी पगड़ी एवं अपर्णा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि एडवोकेट राजेश शर्मा कर्नल ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि हर अधिवक्ता—चाहे वह नया हो या अनुभवी—उसे समान अवसर, आधुनिक सुविधाएं और न्यायसंगत वातावरण मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के आगामी चुनाव में प्रथम वरीयता के उम्मीदवार के रूप में अपने पक्ष में समर्थन की अपील भी की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लोकेश तिवारी द्वारा प्रभावी ढंग से किया गया, जिसने पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। अंत में संगठन के विधिक सलाहकार नीरज पराशर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री दिनेश शर्मा, जिलाध्यक्ष तुलसीराम शर्मा सहित संगठन के पदाधिकारी, अधिवक्तागण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

श्री बाबाधाम का 18वां पाटोत्सव महोत्सव आज से

सजावट से जगमगाया धाम, समितियों में सेवादारों को जिम्मेदारी; नहीं चढ़ता दान, सेवा से पूर्ण होती मनोकामना

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्याम नगर स्थित श्री बाबाधाम में 18वां पाटोत्सव महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ शुरू हो रहा है। पहले दिन रविवार को दिनभर पूजा-पाठ के बाद शाम को छप्पन भोग दर्शन और भव्य भजन संध्या का आयोजन होगा।

धाम को आकर्षक रोशनी, फूलों और झंडियों से सजाया गया है। अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए समितियां बनाकर सेवादारों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

छप्पन भोग व सजावट समिति में प्रवीण जैन, ओम व्यास, लोकेश अग्रवाल, सत्यनारायण चौधरी, गोपाल बंसल, श्रीकांत त्रिपाठी व पवन अग्रवाल सक्रिय हैं। वहीं भजन संध्या समिति में प्रमोद तोषनीवाल, सुरेश जैन, गोविंद जोशी, सुभाष लढ़ा, विनोद अग्रवाल, विनोद जागेटिया, सुरेंद्र शर्मा व नितिन बुंदेल सहित कई सेवादार जुटे हैं।

30 अप्रैल को मुख्य आयोजन

चैत्र सुदी बारस को अभिषेक, ध्वजा चढ़ाने, यज्ञ-हवन व महाआरती का आयोजन होगा। आचार्य पं. शिव कुमार जोशी, पं. योगेन्द्र शर्मा व पं. गौतम गोविंद के सानिध्य में विधि-विधान से कार्यक्रम संपन्न होंगे।

अनूठी परंपरा—नहीं लिया जाता दान

श्री बाबाधाम की विशेषता यह है कि यहां किसी भी प्रकार का दान या चढ़ावा नहीं लिया जाता। श्रद्धालु मनोकामना पूर्ण होने पर गौ सेवा, अन्नदान और जीव सेवा के माध्यम से अपनी आस्था व्यक्त करते हैं।

पूरे महोत्सव के दौरान धाम में भक्ति का माहौल रहेगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

श्रद्धा के साथ निकाली माताजी की नेजे, तालाब में हुआ ज्वारों का विसर्जन

रामनवमी के अवसर पर कंकाली माता और नरसिंह माता के जयकारों से गुंजायमान हुआ क्षेत्र; पारंपरिक मार्गों से गुजरी शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल | गेणोली/मांडलगढ़

मांडलगढ़ कस्बे सहित निकटवर्ती गेणोली ग्राम में शनिवार को रामनवमी और चैत्र नवरात्रि का समापन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कंकाली माता और नरसिंह माताजी की भव्य नेजे निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ उठाया।

पुजारी कन्हैयालाल भील, कन्हैयालाल मीणा और सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश मीणा ने बताया कि नवरात्रि के समापन पर शनिवार को दोनों माताजी की नेजे (धार्मिक ध्वज) निकाली गई। यह शोभायात्रा कंकाली माता मंदिर से विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुई, जो भेरू नाथ जी और चारभुजा नाथ मंदिर होते हुए गांव के सदर बाजार चौक सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा के दौरान माताजी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

तालाब पर हुआ ज्वारे विसर्जन:

शोभायात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए शंकर भगवान मंदिर परिसर के पास स्थित तालाब पर पहुँची। यहाँ पर पूरी श्रद्धा और परंपरा के साथ कंकाली माता व नरसिंह माताजी के ज्वारे और भवभूति को तालाब के पवित्र जल में विसर्जन किया गया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि की कामना की।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर पुलिस का शिकंजा, चार सिलेंडर जब्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाडा की काछोला थाना पुलिस ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर चाबुक चलाया और बड़ी कार्यवाही करते हुए 4 गैस सिलेंडर व 1 ईको कार को जप्त कर मामला दर्ज किया । एसपी धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया पुलिस मुख्यालय द्वारा गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत कालाबाजारी की रोकथाम के लिए एएसपी शाहपुरा राजेश आर्य के निर्देशन व कोटड़ी वृताधिकारी सुरेश डाबरिया के निकटतम सुपरविजन में और काछोला थाना प्रभारी मालीराम के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा दिनांक 12.03.2026 की शाम को कस्बा काछोला में एक ईको कार में बिना लाईसेन्स व परिमिट के गैस भरते हुए व मौके से भारत गैस के गैस सिलेंडर को जप्त कर रसद विभाग भीलवाडा को सूचित किया । दिनांक 27.03.2026 को रसद विभाग भीलवाडा से प्राप्त रिपोर्ट पर थाना काछोला पर प्रकरण संख्या 59/2026 धारा 3/7 ईसी एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू की । कार्यवाही के दौरान मालीराम थानाधिकारी, राजकुमार सउनि, एचसी रामेश्वर लाल, नितेश कुमार शामिल थे।

एसएमपीएस प्राइमरी विंग में डिजिटल रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान समारोह आयोजित

रंगोली भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमारे त्योहारों और सामाजिक आयोजनों में विशेष स्थान रखती है: राजेंद्र कुमार कचौलिया

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर किया सम्मानित, रचनात्मकता और कला का अनूठा संगम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित श्री महेश पब्लिक स्कूल, प्राइमरी विंग में नव संवत्सर के शुभ अवसर पर प्लेग्रुप से लेकर कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों व अभिभावकों के लिए डिजिटल रंगोली प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने घरों पर सुंदर रंगोलियाँ बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया, उन्होंने बड़े ही उत्साहपूर्वक रंगोलियाँ बनाई और उनमें नव संवत्सर 208 3 का संदेश शामिल कर, नए वर्ष के स्वागत के लिए उन्हें पाँच दीयों से सजाकर फोटो क्लिक कर स्कूल मोबाइल नंबर पर भेजी गई। डिजिटल रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करने हेतु 28 मार्च शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री महेश सेवा समिति के निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों एवं अभिभावकों में रचनात्मकता, कला कौशल एवं पारिवारिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओम प्रकाश नराणीवाल, सचिव राजेंद्र कुमार कचौलिया, उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल जाखेटिया, सत्यनारायण मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती, निर्देशक दिलीप तोषनीवाल तथा निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों व विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डिजिटल रंगोली प्रतियोगिता में अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आकर्षक एवं सुंदर रंगोलियां बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई रंगोलियों में विभिन्न विषयों की झलक देखने को मिली, जो उनकी कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता को दर्शाती हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा के लिए पुरस्कार तथा भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा अभिभावकों और बच्चों के बीच सहयोग एवं सामंजस्य को भी मजबूत बनाती हैं। श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नराणीवाल ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों की कल्पना शक्ति और रचनात्मक कौशल को विकसित करने का प्रभावी माध्यम हैं। सचिव राजेंद्र कुमार कचौलिया ने कहा कि रंगोली भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो हमारे त्योहारों और सामाजिक आयोजनों में विशेष स्थान रखती है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों को अपनी परंपराओं से जोड़ने का अवसर मिलता है। कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती ने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए बच्चों को तकनीक का रचनात्मक और सकारात्मक उपयोग करने की प्रेरणा मिलती है। समिति के निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने कहा कि ऑनलाइन आयोजन से हर छात्र को घर बैठे भाग लेने का अवसर मिलता है, जिससे अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित होती है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

नन्ही कला साधिका नेहा ने रंगों से उकेरी भव्य कलाकृतियाँ

नवरात्रि पर बनाई माँ नवदुर्गा की कलाकृति

स्मार्ट हलचल

जहाँ चाह होती है, वहाँ राह अपने आप बन जाती है। इस कहावत को साकार कर दिखाया है 12 वर्षीय नन्ही कलाकार नेहा काबरा ने। कक्षा 7 में अध्ययनरत नेहा ने चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर अपनी तूलिका और रंगों के माध्यम से भक्ति और कला का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया है। नवरात्रि के नौ दिनों में नेहा ने माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों (नवदुर्गा) के नौ आकर्षक चित्र पेंसिल व रंगों की सहायता से तैयार कर श्रद्धा का अनूठा उदाहरण पेश किया।

संघर्षों के बीच निखरी प्रतिभा

नेहा की उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि छोटी उम्र में ही उन्होंने जीवन की बड़ी चुनौतियों का सामना किया है। 5 मई 2021 को कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान उनके पिता का निधन हो गया था। इस गहरे दुख के बावजूद नेहा ने हिम्मत नहीं हारी और परिवार के सहयोग व अपने दृढ़ संकल्प के बल पर कला को ही अपनी ताकत बना लिया।

आस्था से जुड़ी कलाकृतियों का अनोखा संग्रह

महज 12 वर्ष की उम्र में नेहा कई धार्मिक एवं आध्यात्मिक चित्रों का सृजन कर चुकी हैं। उनकी कलाकृतियों में आस्था के विविध रूप दिखाई देते हैं, जिनमें प्रमुख रूप से – सांवरिया सेठ एवं सरेड़ी श्याम ,खाटू श्याम जी और राधा-कृष्ण, चारभुजा नाथ, अयोध्या के रामलला

नेहा की पेंटिंग्स में बारीक रेखांकन, रंगों का संतुलन और गहरी आध्यात्मिक भावना स्पष्ट रूप से झलकती है। स्थानीय कला प्रेमियों और लोगों ने उनकी प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में कठिन परिस्थितियों के बावजूद कला के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है।

नन्ही कलाकार नेहा काबरा की यह कला साधना उन बच्चों के लिए प्रेरणा बन रही है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सपनों को साकार करने का हौसला रखते हैं।

जिलाध्यक्ष लिखी हुई कार अधुरे छुटे डिवाइडर पर चढ़ी....

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

शारदा कॉलोनी रोड पर शनिवार देर शाम सड़क के बीचो-बीच में नगर विकास न्यास द्वारा बनाये जा रहे डिवाइडर पर जिलाध्यक्ष की कार जा चढ़ी। बताया जा रहा है की कुछ दिन पहले जनता के विरोध से इस काम को रोक दिया गया। डिवाइडर में ऑपन सरिये निकले हुए थे, जिससे एक कार अचानक डिवाइडर से टकरा गयी। कार पर जिलाध्यक्ष लिखा हुआ था । घटना के दौरान सरिए कार में घुस गए, लेकिन किसी तरह की कोई जनहानि की बात सामने नहीं आई है।

05183/05184 आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ ग्रीष्मकालीन विशेष का संचालन

स्मार्ट हलचल|कोटा

यात्रियों की ग्रीष्मकालीन अवकाश में बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़ के मध्य ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 05183 (आजमगढ़-बान्द्रा टर्मिनस) दिनांक 04.04.2026 से 11.07.2026 तक प्रत्येक शनिवार को 15 फेरों में आजमगढ़ से रात्रि 23.15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रविवार को बयाना जंक्शन 15.30 बजे, गंगापुर सिटी 16.33 बजे, कोटा जंक्शन 18.35 बजे होते हुए दूसरे दिन सोमवार को प्रातः 08.10 बजे बान्द्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05184 (बान्द्रा टर्मिनस-आजमगढ़) दिनांक 06.04.2026 से 13.07.2026 तक प्रत्येक सोमवार को 15 फेरों में बान्द्रा टर्मिनस से 10.45 बजे प्रस्थान कर अगले दिन मंगलवार को कोटा जंक्शन 00.10 बजे, गंगापुर सिटी 02.15 बजे, बयाना जंक्शन 03.20 बजे होते हुए उसी दिन सायं 20.10 बजे आजमगढ़ पहुँचेगी।

यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में आजमगढ़, मुहम्मदाबाद, मऊ जंक्शन, औड़िहार जंक्शन, वाराणसी, ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज जंक्शन, गोविंदपुरी, टुंडला जंक्शन, ईदगाह आगरा जंक्शन, बयाना जंक्शन, गंगापुर सिटी, कोटा जंक्शन, नागदा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, वडोदरा जंक्शन, सूरत, बोरीवली तथा बान्द्रा टर्मिनस स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी। इस विशेष गाड़ी में 02 सामान्य श्रेणी, 08 शयनयान श्रेणी तथा 08 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकॉनॉमी सहित कुल 20 डिब्बे होंगे।

यात्रियों से अपील है कि गाड़ी की स्थिति एवं ठहराव की जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

लक्षकार संस्था मेवाड़ झड़ोल द्वारा बसंत महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। श्री चेनामाता कुशला माता लक्षकार संस्था मेवाड़ झड़ोल द्वारा झड़ोल माता जी के मंदिर परिसर में दो दिवसीय बसंत महोत्सव 2026का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान के अध्यक्ष रतनलाल लक्षकार ने बताया कि इस उत्सव में भक्ति, संस्कृति और सामुदायिक एकता का सुंदर समागम देखने को मिला।रात्रि में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक नरेश राव, तिलकेश सुथारऔर अशोक लक्षकार ने माता रानी के भक्तिमय भजनों की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। भजन संध्या में दिल्ली से आए कलाकारों ने विशेष झांकियों का भी मनमोहक प्रदर्शन किया। रात भर श्रद्धालु भजन-संगीत में लीन रहे और माता रानी की भक्ति में डूबे रहे।सुबह शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु नाचते-गाते, जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान मंदिर निर्माण के लिए बोलियां लगाई गईं। मंदिर के मुख्य द्वार सामरन के निर्माण की बोली दो लाख रुपये में पोटला निवासी शंकर लाल, खेमराज तथा गुलाबचंद लक्षकारने लगाई। इस अवसर पर जयपुर से आए बाबू लाल तूंगा, घनश्याम लक्षकार,चांदमल चित्तौड़, प्रेमचंद, कृष्ण गोपाल लक्षकार, शान्ति लाल, दिनेश लक्षकार, जैकी लक्षकार सहित संस्थान के पदाधिकारी और समाज के अनेक बंधु उपस्थित रहे।बसंत महोत्सव में महिलाओं और पुरुषों की भारी उपस्थिति रही, जिसने पूरे कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया। संस्था के अध्यक्ष रतनलाल लक्षकार ने सभी श्रद्धालुओं, कलाकारों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।यह आयोजन लक्षकार समाज की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और माता रानी की भक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राउंड टेबल 358 ने कराया 4 कक्षा-कक्षो का निर्माण

स्मार्ट हलचल| कोटा

बनजारी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आधारभूत शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चार नवीन अध्ययन कक्षों का विधिवत लोकार्पण किया गया। इन कक्षों का निर्माण कोटा सिटी राउंड टेबल 358 के सहयोग से लगभग 28 लाख रुपये की लागत से सम्पन्न हुआ, जिससे विद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।

लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राजेश सिंघवी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में राउंड टेबल द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखते हैं। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष उत्सव बाबेल, उपाध्यक्ष रोहित जैन, कोषाध्यक्ष रमन भाटिया, प्रोजेक्ट संयोजक आदित्य सेठी तथा एरिया सेक्रेटरी ट्रेजरर किंशुक जैन सहित टेबल सदस्य नमन बंसल और सिद्धार्थ गौतम भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष उत्सव बाबेल ने जानकारी दी कि राउंड टेबल–358 संस्था ने पिछले पांच वर्षों में 20 से अधिक कक्षाकक्षों का निर्माण कर शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य शहरी सहित ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों में शैक्षणिक संरचना को सुदृढ़ कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का 'हल्ला बोल': ब्यावर में गैस सिलेंडर की कीमतों को लेकर फूंका प्रधानमंत्री का पुतला

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। केंद्र सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों और आसमान छूती महंगाई के खिलाफ नगर कांग्रेस कमेटी ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नगर अध्यक्ष भरत बाघमार के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चांग गेट से पांच बत्ती तक प्रधानमंत्री की 'शव यात्रा' निकाली और पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।

महिलाओं ने सड़क पर चूल्हा जलाकर जताया विरोध

प्रदर्शन का मुख्य केंद्र महिलाओं का अनोखा विरोध रहा। रसोई गैस की बढ़ती कीमतों और कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के विरोध में महिलाओं ने बीच सड़क पर चूल्हे पर रोटियां बनाकर यह संदेश दिया कि अब रसोई गैस आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही है। इस दौरान 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' और 'ऐ नरेंद्र दे सिलेंडर' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

इन मुख्य मुद्दों पर घेरा केंद्र सरकार को:

रसोई गैस : सिलेंडरों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि। पेट्रोल-डीजल: ईंधन की बढ़ती दरों के कारण परिवहन और रसद का महंगा होना। खाद्य सामग्री: आम उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी। अनियमितता: कमर्शियल गैस सिलेंडरों की बाजार में अनुपलब्धता।

दिग्गज नेताओं की रही मौजूदगी

इस विरोध प्रदर्शन में विधानसभा प्रत्याशी पारस पांच, पीसीसी सचिव कल्पना भटनागर, सेवादल जिलाध्यक्ष विक्रम सोनी, और अनुसूचित जाति जिलाध्यक्ष बिरदीचंद खोरवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे। प्रमुख उपस्थित जन : हस्ट्ठ जिलाध्यक्ष जयदीप रावत, महिला जिलाध्यक्ष इशिका जैन, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अशोक रांका, पूर्व सभापति शांति डाबला, गोविंद पंडित, मुकेश सोलंकी, सतीश जागृत, वरिष्ठ अधिवक्ता रामस्वरूप सेवलिया, प्रदेश महिला सचिव सुलक्षणा शर्मा, राधिका शर्मा, गंगा रावत और यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मनीष सांखला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यकर्ताओं का संकल्प : नगर अध्यक्ष भरत बाघमार ने कहा कि जब तक केंद्र सरकार महंगाई पर लगाम नहीं लगाती और आम जनता को राहत नहीं देती, कांग्रेस का यह आंदोलन वार्ड स्तर से लेकर जिला स्तर तक जारी रहेगा।

43.38 करोड़ के उप जिला अस्पताल का भूमि पूजन व शिलान्यास किया

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के कोटड़ी कस्बे में सवाईपुर रोड़ स्थित ढोलकिया गांव के निकट मोदी ग्राउंड के पास बजट में घोषित राजकीय उप जिला अस्पताल कोटड़ी की शनिवार को भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया गया । शनिवार दोपहर 1:15 बजे सवाईपुर रोड स्थित मोदी ग्राउंड के पास सांसद अग्रवाल, विधायक मीणा व जिला अध्यक्ष मेवाड़ा मौजूद रहे । मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन ने बताया कि कार्यक्रम श्री श्री 108 जगदीश पुरी जी महाराज (महंत, शकरगढ़ धाम) का परम सानिध्य आयोजित हुआ । मुख्यमंत्री के द्वारा 2025-26 के बजट में जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के कोटड़ी में राजकीय उप जिला चिकित्सालय के लिए 43.38 करोड़ की घोषणा की थी, जिसका आज शनिवार को भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया । मुख्य अतिथि के रूप में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता जहाजपुर-कोटड़ी विधायक एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष गोपीचंद मीणा ने की । अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में निवर्तमान प्रधान करण सिंह कानावत भी मौजूद रहे । इसके साथ ही ढोकलिया से मीणा का खेड़ा सड़क, ककरोलिया माफी से लखमणियास सड़क, अप्रोच रोड़ ढोकलिया डामरीकरण निर्माण कार्य, पपलाज में सीसी सड़क निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटड़ी में तीन कक्षा-कक्ष निर्माण कार्य का भी शिलान्यास, उद्घाटन व लोकार्पण किए गए । इस दौरान मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्ष, सरपंच, पूर्व सरपंच, प्रशासक, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य सहित भाजपा के विभिन्न जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

हरिजन बस्ती में युवक ने लगाई फांसी, मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल |पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। कोतवाली थाना क्षेत्र के हरिजन बस्ती में एक युवक ने अपने ही कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू कर दी। कोतवाली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के हरिजन बस्ती 100 फीट रोड निवासी धर्मेंद्र सिंह पिता अर्जुन सिंह रावत उम्र 22 साल ने शुक्रवार शाम अपने ही कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी।सूचना पर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची ओर शव की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करवा कर शव फंदे से नीचे उतार जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया।

थाना पुलिस ने शनिवार को जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों कि मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया । पुलिस का कहना है कि घटना के वक्त युवक घर पर अकेला था ओर उसके पिता गांव गए हुए थे ओर युवक ने किन कारणों के चलते यह कदम उठाया है इसके वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आ पाए है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सूरौठ में हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली जाएगी शोभा यात्रा

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

कस्बे में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 2 अप्रैल को हनुमान चालीसा पाठ कोर कमेटी के तत्वाधान में सजीव झांकियो के साथ शोभा यात्रा निकाली जाएगी। हनुमान चालीसा पाठ कोर कमेटी के सदस्य संजय शुक्ला एवं त्रिलोकी सिंघल ने बताया कि शोभा यात्रा दोपहर बाद नगर के खाकीजी हनुमान मंदिर से शुरू होगी तथा भोपरिया का पुरा, मुख्य चौराहे, बाजार, मस्जिद तिराहे, सब्जी मंडी, बस स्टैंड, बिरसा मुंडा मार्ग एवं गर्ल्स स्कूल चौराहे होते हुई खाकी जी मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा की तैयारियां शुरू कर दी गई है।

ईएआर चुनाव सम्पन्न: कोटा के वी.के. जेटली वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित, एन.के. जैन 12वीं बार अध्यक्ष

नई औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन को गति दी जाएगी – वी.के. जेटली

स्मार्ट हलचल|कोटा

एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (श्व) के चुनाव वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक फतेहपुरिया द्वारा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक जयपुर में सम्पन्न हुए। चुनाव परिणामों में कोटा के उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि वी.के. जेटली को एसोसिएशन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया, जिससे हाड़ौती क्षेत्र की औद्योगिक भागीदारी को संगठन में महत्वपूर्ण मजबूती मिली है।

निर्वाचन अधिकारी द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार एन.के. जैन को सर्वसम्मति (निर्विरोध) से लगातार 12वीं बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनने के बाद वी.के. जेटली ने कहा कि कोटा का औद्योगिक क्षेत्र अपार संभावनाओं से भरपूर है और इसे सशक्त बनाने के लिए उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय, नवाचार और निवेश को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के माध्यम से कोटा सहित हाड़ौती क्षेत्र के उद्योगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से राज्य स्तर पर उठाया जाएगा तथा नई औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन को गति दी जाएगी।

अपने संबोधन में अध्यक्ष एन.के. जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के हित में निरंतर कार्य करने तथा औद्योगिक विकास को गति देने का संकल्प दोहराया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एसोसिएशन की थीम 'इंडस्ट्री कनेक्ट, कैटलाइज एंड कोलेबोरेट' रखी गई है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष एन.के. जैन ने कार्यकारिणी का गठन करते हुए ए.के. जैन को मुख्य सलाहकार, जबकि वी.के. जेटली को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इसके अलावा बिमल चौधरी, मनीष गुप्ता, निगम प्रकाश, रुपिन काला (अधिवक्ता), अशोक कुमार अग्रवाल एवं दिनेश गुप्ता (सेकावटी इंपेक्स) को उपाध्यक्ष बनाया गया। एस.के. पाटनी को सचिव का दायित्व सौंपा गया है।

चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत औद्योगिक श्रेणी में पूरे राजस्थान से 36 सदस्यों, प्रोफेशनल श्रेणी में 12 सदस्यों तथा औद्योगिक एसोसिएशन श्रेणी में 5 सदस्यों का चयन भी किया गया।

जिला कलेक्टर की अधिकारियों को दोटूक

'राज-उन्नति' के निर्देशों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने शनिवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित 'राज-उन्नति' की तृतीय वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) में प्राप्त निर्देशों की कड़ाई से अनुपालना सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जनहित की योजनाओं और शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई अक्षम्य होगी।

महत्वपूर्ण योजनाओं पर फोकस

कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्राथमिकताएं तय कीं:

कृषि एवं सहकारिता: कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना और ग्राम सेवा सहकारी समितियों (₹स्स्) में गोदामों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश। खान विभाग : जयपुर में स्थापित होने वाले 'माइंस एंड मिनरल्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' सहित अन्य खनिज परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति जांची गई।

पंच गौरव योजना : इस योजना के तहत होने वाले विकास कार्यों और परिवेदनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

संपर्क पोर्टल की शिकायतों पर सख्त रुख

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित मामलों को लेकर अधिकारियों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा: मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण अनिवार्य है। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। '

बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अमला

इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट, उपखंड अधिकारी दिव्यांश सिंह, एसीईओ गोपाल लाल सहित सभी प्रमुख विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

महवा हाईवे पर केमिकल टैंकर पलटा, भीषण आग से मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल

महवा। उपखंड क्षेत्र में शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे मौजपुर गांव के समीप जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर केमिकल से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना बालाहेड़ी थाना से महज 50 मीटर की दूरी पर होने के कारण पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। बालाहेड़ी व महवा थाना पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए।

हादसे के बाद हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। भरतपुर से जयपुर की ओर आने वाले वाहनों को रोक दिया गया, जबकि दूसरी ओर से वाहनों को नियंत्रित तरीके से निकाला जा रहा है।

टैंकर नेपाल से केमिकल लेकर कानपुर होते हुए जयपुर जा रहा था। हादसे में चालक पवन कुमार, रामकृपाल व रामप्रकाश (निवासी बेराटन पुरवा, कानपुर) को हल्की चोटें आई हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नगरफोर्ट की बेटी कृष्णा चौधरी ने रचा इतिहास, 10वीं बोर्ड में 97.67%

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिले के नगरफोर्ट तहसील मुख्यालय कस्बा निवासी होनहार छात्रा कृष्णा चौधरी पुत्री हनुमान साहू ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर की कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि के साथ ही कृष्णा चौधरी ने न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे नगरफोर्ट कस्बे, समाज और जिले का नाम रोशन किया है।

छात्रा कृष्णा चौधरी ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया। वह नगरफोर्ट के उप सरपंच प्रतिनिधि व कांग्रेस नेता हनुमान साहू की पुत्री हैं, जबकि उनकी माता श्रीमती चंद्रकांता चौधरी नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं।बोर्ड परिणाम में कृष्णा चौधरी ने कुल 586 अंक प्राप्त किए, जिसमें विज्ञान विषय में 100 में 100 अंक हासिल कर विशेष उपलब्धि दर्ज की। अन्य विषयों में भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हर विषय में उच्च अंक प्राप्त किए। कृष्णा की इस सफलता पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। परिजनों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी जाहिर की और छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रेरणा दायक निष्कर्ष

छात्रा कृष्णा चौधरी की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है, जो यह दर्शाती है कि मेहनत और समर्पण से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

प्रगतिशील संगठन की टीम ने किया सपना साकार

शिक्षा का केंद्र बना सामुदायिक भवन, अब जन-जन से सहयोग की अपील

स्मार्ट हलचल | जयपुर

'पे बैक टू सोसायटी' की प्रेरणादायक सोच के साथ आदिवासी प्रगतिशील संगठन द्वारा राजधानी जयपुर में एक ऐसा सामुदायिक भवन तैयार किया गया है, जो शिक्षा, मार्गदर्शन और सामाजिक एकता का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। यह भवन समाज के सामूहिक सहयोग, त्याग और संकल्प की जीवंत मिसाल है।

संगठन पदाधिकारियों ने बताया कि इस भवन का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सामाजिक गतिविधियों के लिए एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है। यहां से नई पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और समाज सेवा की प्रेरणा भी मिलेगी।

इस सपने को साकार करने में समाज के भामाशाहों का अमूल्य योगदान रहा है। छोटे-छोटे सहयोग ने मिलकर इस बड़े लक्ष्य को संभव बनाया है। फंड कलेक्शन टीम ने भी अथक प्रयास करते हुए समाज के हर वर्ग तक पहुंच बनाई और उन्हें इस पुनीत कार्य से जोड़ा।

संगठन से जुड़े जिम्मेदार लोगों ने कहा कि यह केवल शुरुआत है, अभी इस भवन को और अधिक विकसित करने, संसाधनों से सुसज्जित करने और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।

समाज के सभी वर्गों से अपील

इस नेक पहल को और मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक लोग आगे आएं और अपनी श्रद्धा व सामर्थ्य के अनुसार सहयोग करें। आपका छोटा सा योगदान भी किसी युवा के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। 'आइए, हम सब मिलकर शिक्षा और समाज निर्माण की इस मुहिम को आगे बढ़ाएं। '

संगठन बढ़ाओ-संविधान बचाओ' अभियान के तहत 2 अप्रैल को होगा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रदेशभर में चल रहे 'संगठन बढ़ाओ - संविधान बचाओ' अभियान को धार देने के लिए ब्यावर कांग्रेस ने कमर कस ली है। आगामी 2 अप्रैल को ब्यावर में आयोजित होने वाले विशाल जिला स्तरीय कांग्रेस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से आज, 29 मार्च (रविवार) को सायं 5:15 बजे सतपुलिया स्थित केसरीनन्दन गार्डन में ब्लॉक कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय सम्मेलन में प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शिरकत करेंगे। इन शीर्ष नेताओं के स्वागत और सम्मेलन की सफलता के लिए जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी के निर्देशानुसार कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

शर्मा ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का शंखनाद होगा। बैठक में पूर्व विधायक, पीसीसी सदस्य, पार्षद, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है ताकि जन-जन की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

जायसवाल वेलफेयर सोसायटी (रजि.) एवं जायसवाल वेलफेयर वुमेन सोसाइटी की ओर से रुपल का सम्मान

स्मार्ट हलचल | जयपुर

रूपल जायसवाल को सिविल सर्विसेज परीक्षा 2025 में 43वीं रैंक प्राप्त करने की शानदार उपलब्धि पर संस्था कार्यालय गोखले मार्ग, मानसरोवर में स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सोसायटी अध्यक्ष लोकेश कुमार जायसवाल, सचिव प्रदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष रामअवतार जायसवाल, डॉ.ओम प्रकाश जायसवाल, विजय कटारा, मदन जायसवाल बंदूक वाले, वेद प्रकाश जायसवाल, नवल किशोर सेठी, भगवान दास जायसवाल, राजकुमार वर्मा, सुनील साईवाल, सुभाष गोपालिया, महेंद्र जायसवाल, डॉ.मनीष जायसवाल, महेश जायसवाल, राकेश सेठी, सतीश जायसवाल, मिथिलेश पारेता, विजेंद्र सिंह जायसवाल, नवरतन जायसवाल, अशोक जायसवाल, अभिषेक जायसवाल, करण जायसवाल, सीताराम घटवाल, हर्ष जायसवाल, किरण जायसवाल, रंजना सेठी, नीलिमा जायसवाल, भारती जायसवाल, मीनाक्षी गोपालिया, डॉ.प्रतिभा सेठी, चंपा जायसवाल, अनीता वर्मा, दीक्षा जायसवाल, गुरमल जायसवाल, किंजल जायसवाल एवं अन्य सभी माननीय सदस्यों द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ, दुपट्टा एवं स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं। अपने संबोधन में सुश्री रूपल जायसवाल ने अपनी सफलता के अनुभव साझा करते हुए राष्ट्र सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की। उनकी यह सफलता पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

चित्तौड़गढ़ में पहली बार राज्य स्तरीय पुरुष -20 फुटबॉल चैंपियनशिप 6 अप्रैल से 9 अप्रैल तक होगी आयोजित

स्मार्ट हलचल | चित्तौड़गढ़

सम्पूर्ण प्रदेश में फुटबॉल को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल करते हुए राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन ('स्र्र') ने वर्ष 2025-26 की अंडर-20 पुरुष राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन पहली बार चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ को सौंपा है।

प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 9 अप्रैल तक चित्तौड़गढ़ में किया जाएगा, जिसमें प्रदेशभर की राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन से संबद्धता प्राप्त जिला फुटबॉल संघों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल मैदान पर आयोजित होगी।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए आयु सीमा निर्धारित की गई है। 1 जनवरी 2007 से 31 दिसंबर 2009 के बीच जन्मे खिलाड़ी ही इस वर्ग में खेलने के पात्र होंगे। चित्तौड़गढ़ में पहली बार होने वाले इस आयोजन को लेकर पूरे जिले के खेल प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है और इसे युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच माना जा रहा है।

जिला टीम के चयन के लिए जिला फुटबॉल संघ चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष पूरण आंजना के निर्देशन में चयन समिति गठित की गई है। समिति में धर्मेंद्र सिंह तंवर को संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा मोहम्मद शकील मंसूरी, जगदीश समदानी, शाहिद हुसैन मंसूरी, कमलेंद्र सिंह चुंडावत और मोहम्मद रफीक खान को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

संघ के सचिव फैसल खान ने बताया कि टीमों का पंजीयन सीआरएस प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए अंतिम तिथि 5 अप्रैल निर्धारित की गई है, जबकि आवश्यक प्रक्रिया 3 अप्रैल तक पूर्ण करनी होगी। आयोजकों ने सभी जिलों से समय पर पंजीयन कराने की अपील की है ताकि प्रतियोगिता सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

संघ पदाधिकारियों के अनुसार चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों की फिटनेस, तकनीकी कौशल और खेल भावना को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रतियोगिता के माध्यम से जिले की प्रतिभाओं को राज्य स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा।

जिला कारागृह का सेशन जज जैन के नेतृत्व में आकस्मिक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला एवं सेशन जज अभय जैन के नेतृत्व में शनिवार को जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए बंदियों से जुड़ी सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान जज जैन ने जेल अधीक्षक से बंदियों के स्वास्थ्य, चिकित्सा सुविधाओं और दैनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। साथ ही रसोईघर का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए गए।

भेदभाव और व्यवस्था पर कड़ी नजर

निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि किसी भी बंदी के साथ जाति, धर्म या सामाजिक आधार पर कोई भेदभाव न हो। जेल परिसर, बैरकों की साफ-सफाई और मरम्मत को लेकर भी सख्त निर्देश जारी किए गए।

इस दौरान प्रशासनिक और पुलिस विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्हें व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

गाली-गलौच के आरोप में एएसआई लाइन हाजिर

स्मार्ट हलचल | बानसूर

थाना क्षेत्र में एएसआई कृष्ण कुमार को एक युवक से गाली-गलौच और मामला रफा-दफा करने के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामला बहराम का बास गांव का है, जहां 26 मार्च की रात कंट्रोल रूम को इंजीनियर से 2 लाख रुपए की लूट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस को लूट की घटना गलत पाई गई। ठेकेदार ने बताया कि बिल्लू नाम के युवक ने केवल धमकी दी थी। आरोप है कि एएसआई ने युवक को फोन पर धमकाया और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। ऑडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई की गई। डीएसपी मेघा गोयल ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है।

52 करोड़ में बदलेगा मऊ जंक्शन का भाग्य

हाईटेक सुविधाओं से लैस 'स्मार्ट स्टेशन' बनेगा,

स्मार्ट हलचल | वाराणसी

पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के औड़िहार- भटनी रेल खंड पर स्थित मऊ जंक्शन अब अपनी पुरानी पहचान छोड़कर एक आधुनिक और आकर्षक स्वरूप में नजर आने वाला है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 52.65 करोड़ रुपये की लागत से इस महत्वपूर्ण स्टेशन का तेजी से कायाकल्प किया जा रहा है, जिससे यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख स्टेशनों में और अधिक विकसित बन सके।

मऊ जंक्शन पहले से ही देश के बड़े शहरों–नई दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता, पुणे, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, जयपुर, रांची और अमृतसर–से सीधी रेल सेवाओं के माध्यम से जुड़ा हुआ है। यहां से प्रतिदिन 44 मेल, एक्सप्रेस और सवारी गाड़ियों का संचालन होता है, जिससे यात्रियों की लगातार बढ़ती भीड़ इस स्टेशन की अहमियत को दर्शाती है।

यात्रियों की सुविधा और आने वाले 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाकर उन्हें पूरी तरह यात्री अनुकूल तैयार करना है, ताकि भविष्य की चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सके।

पुनर्विकास के अंतर्गत स्टेशन भवन को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। फसाड और आधुनिक लाइटिंग से इसकी सुंदरता बढ़ाई गई है। यात्रियों के लिए बेहतर प्रवेश और निकास द्वार, आरामदायक प्रतीक्षालय और आधुनिक प्रसाधनों की व्यवस्था की जा रही है।

स्टेशन परिसर में पहुंच मार्ग को सुगम बनाया गया है और सर्कुलेटिंग एरिया में बड़े पैमाने पर विकास कार्य पूरे किए जा चुके हैं। लगभग 600 मीटर ड्रेनेज, 1,250 मीटर बाउंड्री वॉल, 15,000 वर्ग मीटर सड़क, 2,000 वर्ग मीटर पार्किंग और 3,000 वर्ग मीटर पाथ-वे का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

प्लेटफॉर्म को ऊंचा और विस्तारित किया जा रहा है तथा 5,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में ग्रेनाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है। यात्रियों को धूप और बारिश से बचाने के लिए 32-वे पी.पी. शेल्टर लगाए जा रहे हैं।

टोंक-सवाई माधोपुर टोल महंगा- 1 अप्रैल से लागू होगी प्रभावी नई दरें

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे-552 पर स्थित गुमानपुरा टोल प्लाजा पर टोल दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की गई है। नई दरें 31 मार्च की रात 12:00 बजे (1 अप्रैल से) लागू होंगी।

गुमानपुरा टोल प्लाजा प्रबंधक राजेन्द्र सिंह पथराज की जानकारी अनुसार कार / जीप / वैन 65 रूपये, पिकअप / मिनीबस 110 रूपये, बस / ट्रक 225 रूपये, थ्री एक्सल वाहन 245 रूपये, चार से छह एक्सल वाहन 355 रूपये तथा छह से अधिक एक्सल वाहन 430 रूपये लागू होंगे।

लोकल वाहनों के लिए राहत

टोल प्लाजा से 20 किमी दायरे में रहने वाले गैर-वाणिज्यिक (कार) वाहनों के लिए मासिक पास 350 रूपये लागू होंगे।

फास्टेग यूजर्स पर असर

निजी वाहनों के लिए फास्टेग वार्षिक पास 3000 से बढ़ाकर 3075 कर दिया गया है।

असर क्या होगा?

रोजाना सफर करने वाले यात्रियों और व्यापारिक वाहनों की लागत बढ़ेगी, लोकल निवासियों को मासिक पास से कुछ राहत, माल परिवहन महंगा होने से अप्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के दाम भी प्रभावित हो सकते हैं।

पत्रकारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा: एआईजे की बड़ी पहल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा / चित्तौड़गढ़ /

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) की बैठक में पत्रकारों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उनके बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की पहल की गई।प्रदेश अध्यक्ष झोटा की पहल रंग लाई:-बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कमल कुमार झोटा ने संस्था प्रधानों से वार्ता कर पत्रकारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देने का प्रस्ताव रखा, जिसे संस्थाओं ने सहमति देते हुए स्वीकार कर लिया। पूरे प्रदेश में लागू होगा अभियान:-

झोटा ने बताया कि इस योजना को पूरे राजस्थान में लागू करने के प्रयास किए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पत्रकार परिवारों को लाभ मिल सके।

केवल एआईजे सदस्यों को मिलेगा लाभ:-उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सुविधा का लाभ केवल भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के पंजीकृत सदस्यों को ही मिलेगा। निशुल्क सदस्यता का मौका:-संघ ने इच्छुक पत्रकारों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द सदस्यता ग्रहण करें। खास बात यह है कि सदस्यता पूरी तरह निःशुल्क रखी गई है।

बायतु में जल निकासी की बदहाल व्यवस्था: मुख्य सड़क बनी गंदे पानी की नाली, राहगीर परेशान

स्मार्ट हलचल

बायतु। कस्बे के मुख्य बाजार से होकर चवा की ओर जाने वाली प्रमुख सड़क इन दिनों गंभीर समस्या का सामना कर रही है। सड़क पर घरों से निकलने वाला गंदा पानी लगातार जमा हो रहा है, जिससे यह मार्ग किसी नाली जैसा नजर आने लगा है। स्थिति यह है कि आमजन को आवाजाही में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, चवा रोड पर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण घरों का गंदा पानी सीधे सड़क पर फैल जाता है। अंडरग्राउंड पाइपलाइन की लंबे समय से सफाई नहीं होने से पानी का बहाव रुक जाता है और सड़क पर गंदा पानी जमा हो जाता है। इससे सड़क पर कीचड़, बदबू और गंदगी का माहौल बना रहता है।

इस समस्या के कारण पैदल राहगीरों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है, वहीं दोपहिया वाहन चालकों को फिसलन का खतरा बना रहता है। कई बार वाहन चालक असंतुलित होकर गिरने की स्थिति में आ जाते हैं। सड़क किनारे स्थित दुकानदारों का कहना है कि गंदगी के कारण ग्राहक दुकानों तक आने से कतराते हैं, जिससे उनके व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। गंदे पानी के लंबे समय तक जमा रहने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। बावजूद इसके, जिम्मेदार विभाग द्वारा समस्या के समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन प्रशासन केवल आश्वासन तक सीमित है। लोगों ने मांग की है कि अंडरग्राउंड पाइपलाइन की नियमित सफाई करवाई जाए, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था विकसित की जाए और सड़क की मरम्मत करवाई जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

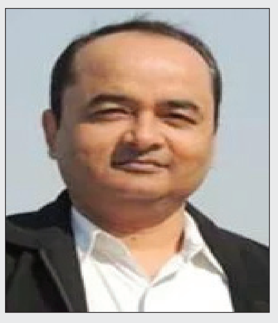

उमेश चतुर्वेदी

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है।

केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम्‍ किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती।

मलयालम को केरलम्‍ की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है।

अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल

लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं।

कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है।

केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी।

मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम 'मलयालम भाषा एक्ट 2025' की जगह 'केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025' होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं। वे मलयालम का इस्तेमाल कम करते हैं। इसलिए एक वर्ग का मानना है कि उनकी भाषाओं की अस्मिता की रक्षा का बोध भी इस कानून में होना चाहिए था।

बेशक केरल के विधानसभा चुनाव में मलयालम को आधिकारिक दर्जा मिलना बड़ा मुद्दा होगा। राज्य की राजनीति में प्रभावी दखल देने की ताक में बैठी भाजपा, कांग्रेस और वाममोर्चा, सभी इसका श्रेय लेने की कोशिश करेंगे। लेकिन यहां के बौद्धिक समाज की चिंता है कि इस विधेयक से राज्य में एक भाषा के वर्चस्व का भाव पैदा हो सकता है। ऐसा लगता है कि जिन लोगों की भाषा मलयालम नहीं है, उनकी प्रशासनिक और शासन से जुड़ी चिंताओं को अंग्रेजी के जरिए हल किया जा सकता है। लेकिन केरल के बौद्धिक मानते हैं कि राज्य के बहुसंख्यक समुदाय की भाषा से इतर वाले लोगों की समस्याओं का समाधान अंग्रेजी के जरिए नहीं हो सकते। इसलिए भाषा विकास विभाग और निदेशालय को सिर्फ. मलयालम भाषा तक सीमित नहीं रहना होगा, बल्कि केरल की सभी भाषाओं के लिए होना होगा। केरल में मांग उठ रही है कि वहां के सिविल सर्विस सुधार विभाग को मलयालम भाषा विकास विभाग के रूप में बदल दिया जाना चाहिए। कानून में इस विभाग के पुनर्गठन और मलयालम भाषा व कास निदेशालय बनाने का प्रावधान है। यहां के भाषाशास्त्री इसे स्वागत योग्य कदम बता तो रहे हैं। लेकिन, इसमें मलयालम के साथ दूसरी भाषा समूहों का भी प्रतिनिधित्व देने का सुझाव दे रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि भाषा का काम जोड़ना है, तोड़ना नहीं। शायद यही वजह है कि मलयालम भाषा कानून के स्वागत के साथ ही दूसरी भाषाओं को तवज्जो देने की मांग हो रही है।

मातृभाषा से इतर समूहों से आने वाले लोग किसी भी भाषा को अवसरों और जरूरत के लिहाज से सीखते हैं। सीखने की इस प्रक्रिया में मजबूरी की बजाय उत्साह जुड़ जाता है तो भाषाएं समृद्ध होती हैं और वे सौहार्द का प्रतीक बनती हैं। आधिकारिक भाषा बनने के बाद मलयालम भी उसी तरह उम्मीद की भाषा बने, शायद यही केरल के बौद्धिक चाहते हैं। मलयालमभाषियों की इस सोच से हिंदीभाषी विद्वानों, राजनेताओं और प्रशासनिक तंत्र को प्रेरित होना चाहिए।

संपादकीय

सीमा-कर पर टकराव

सही मायनों में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश में सीमा प्रवेश शुल्क को लेकर जारी विवाद ने देश के संघीय ढांचे में व्याप्त एक गहरी खामी को ही उजागर किया है। जो बताता है कि देश के राज्यों की राजस्व जरूरतों तथा अंतर्राज्यीय आवागमन के सिद्धांतों के बीच टकराव के कारण मौजूद हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हिमाचल प्रदेश फिलहाल वित्तीय संकट की चुनौती से रूबरू है। उसने अपने वित्तीय संसाधन बढ़ाने के लिये दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों पर राज्य में प्रवेश करने का शुल्क लगभग दोगुना करने का निर्णय लिया है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश ने यह फैसला अपने आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए लिया था। लेकिन यह वित्तीय फैसला बाद में हिमाचल प्रदेश व पंजाब में राजनीतिक व आर्थिक विवाद का रूप ले चुका है। यही वजह है इस फैसले से ज्यादा प्रभावित राज्य पंजाब ने भी हिमाचल प्रदेश के वाहनों पर ऐसे ही कर बढ़ाने की धमकी दे दी है। वास्तव में हिमाचल सरकार का यह फैसला दूरगामी दृष्टिकोण को नहीं दशार्ता है। यह सर्वविदित है कि हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था बहुत अधिक हद तक पर्यटन उद्योग पर ही निर्भर है। ऐसे में इस कदम का राज्य के पर्यटन उद्योग पर नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। यह बढ़ाया गया प्रवेश शुल्क पर्यटकों पर अतिरिक्त बोझ डाल सकता है। खासकर पड़ोसी राज्य पंजाब से आने वाले कम बजट के साथ यात्रा पर निकले पर्यटकों के लिये, जो कि सप्ताहांत में आने वाले पर्यटकों का एक बड़ा हिस्सा है। निस्संदेह, इस फैसले से ऐसे पर्यटक हतोत्साहित हो सकते हैं। इस समस्या का एक पहलू यह भी है कि मौजूदा प्रतिस्पर्धी पर्यटन के परिदृश्य में टैक्स बढ़ाए जाने पर पर्यटक वैकल्पिक पहाड़ी पर्यटक स्थलों की ओर रुख कर सकते हैं। राज्य द्वारा बाद में इस कर-वृद्धि के फैसले की समीक्षा करने का निर्णय लेना, निश्चित रूप से इस मुद्दे की आर्थिक संवेदनशीलता को ही दशार्ता है। यह भी एक हकीकत है कि दो राज्यों के बीच लिए गए कर बढ़ाने के ऐसे फैसलों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत होनी चाहिए। यह जानते हुए कि हिमाचल प्रदेश गंभीर आर्थिक चुनौती का सामना कर रहा है, पंजाब की प्रतिक्रिया संवेदनशील ढंग से सामने आनी चाहिए थी। ऐसे में पंजाब की हिमाचल की तर्ज पर कर बढ़ाने की चेतावनी प्रतिशोधात्मक नीति पर चलने के अप्रिय फैसले को ही उजागर करती है। इस तरह की बदले में कर लगाने की नीति राजनीतिक दृष्टि से भले ही सुविधाजनक लगती हो, लेकिन आम लोगों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसे निर्णय से दैनिक यात्रियों, परिवहन उद्योग से जुड़े लोगों और छोटे व्यवसायियों की आवाजाही बाधित हो सकती है। इनकी यात्रा की सुगमता सीमा पार सुचारू आवागमन पर निर्भर करती है।

चिंतन-मनन

हनुमान से सीखें संस्कार

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा-

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मसर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराप्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्मजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

समाज के लिए खतरा हैं धर्म के चोले में पनपते कालनेमी

मनोज कुमार अग्रवाल

यह कैसी बिडम्बना है कि इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वातार्लाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताजा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित ह्यफर्जी बाबाह्ल अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि' के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरूआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई। आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं।

जलवायु परिवर्तन: भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

ललित गर्ग

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरूआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

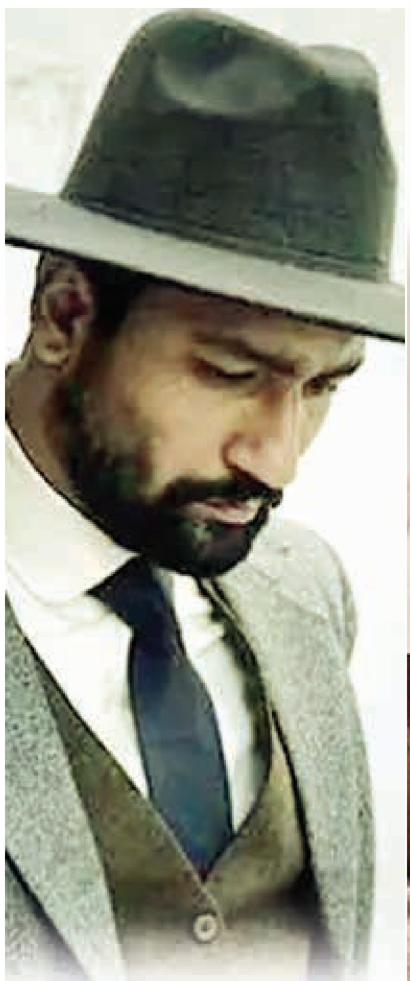

साउथ सुपरस्टार धनुष के ड्रीम प्रोजेक्ट में विक्की कौशल की एंट्री

साउथ सिनेमा के दिग्गज निर्देशक एस. शंकर के ड्रीम प्रोजेक्ट 'वेलपरी' को लेकर नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मेगा बजट फिल्म में अब रणवीर सिंह की जगह विक्की कौशल नजर आ सकते हैं। फिल्म में साउथ सुपरस्टार धनुष पहले से ही अहम भूमिका में बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'वेलपरी' में दूसरे लीड रोल के लिए पहले रणवीर सिंह का नाम चर्चा में था। हालांकि अब वलाई पेचु की एक रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स इस किरदार के लिए विक्की कौशल से बातचीत कर रहे हैं और उन्हें कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।
बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध तमिल उपन्यास 'वीर युग नायकन वेल परी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु. वेंकटेशन ने लिखा है। यह कहानी प्राचीन तमिलनाडु के प्रसिद्ध और उदार शासक वेलपरी के जीवन पर आधारित मानी जाती है। फिल्म को बड़े स्तर पर ऐतिहासिक ड्रामा के रूप में बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक शंकर इस प्रोजेक्ट को लंबे समय से बनाना चाहते थे और इसे अपना ड्रीम प्रोजेक्ट मानते हैं। खबर यह भी है कि फिल्म के लिए धनुष से लंबी डेट्स मांगी गई हैं क्योंकि इसे बड़े पैमाने पर शूट करने की योजना है। अगर सब कुछ तय योजना के अनुसार होता है, तो दर्शकों को पहली बार बड़े पर्दे पर धनुष और विक्की कौशल की नई जोड़ी देखने को मिल सकती है। वहीं रणवीर सिंह का नाम फिलहाल इस प्रोजेक्ट से बाहर बताया जा रहा है। वर्कफ्रंट की बात करें तो धनुष आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। वहीं विक्की कौशल भी कई फिल्मों में व्यस्त हैं और उनकी परफॉर्मेंस को लेकर इंडस्ट्री में काफी चर्चा रहती है। फिलहाल 'वेलपरी' को लेकर मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है। अगर विक्की कौशल इस फिल्म में शामिल होते हैं तो यह बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के बीच एक और बड़ी कोलैबोरेशन मानी जाएगी।

पेद्दी के डांस नंबर में नजर आएंगी मृणाल ठाकुर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर सुर्खियों में हैं। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा में एक खास डांस नंबर होगा। जिसमें यह अभिनेत्री जान्हवी और राम के साथ कैमियो भूमिका में नजर आएंगी।

'पेद्दी' में होगा डांस नंबर

राम चरण और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म 'पेद्दी' को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक खास डांस गाना होगा। गुल्टे की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीता रामम' फेम मृणाल ठाकुर राम चरण और जान्हवी कपूर के साथ एक स्पेशल डांस नंबर में दिख सकती हैं। हालांकि, फिल्म मेकर्स ने इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

'पेद्दी' की स्टार कास्ट

'पेद्दी' एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसकी कहानी गांव में होने वाले क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। राम चरण हीरो हैं, जबकि जान्हवी कपूर उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू, बोमन ईरानी जैसे कलाकार भी हैं। इसके निर्देशक बुची बाबू सना हैं। 'पेद्दी' का म्यूजिक एआर रहमान ने दिया है।

कब रिलीज होगी 'पेद्दी'

हाल ही में 'पेद्दी' का 'राय राय रा रा' नाम का दूसरा सिंगल रिलीज हुआ, जिसमें राम चरण के शानदार डांस मूव्स हैं। एआर रहमान ने इसे तेलुगु और तमिल दोनों में गाया है। 'पेद्दी' का एक्शन टीजर जल्द आने वाला है। हो सकता है कि 27 मार्च 2026 को राम चरण के जन्मदिन पर इसका खास टीजर रिलीज हो। फिल्म 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

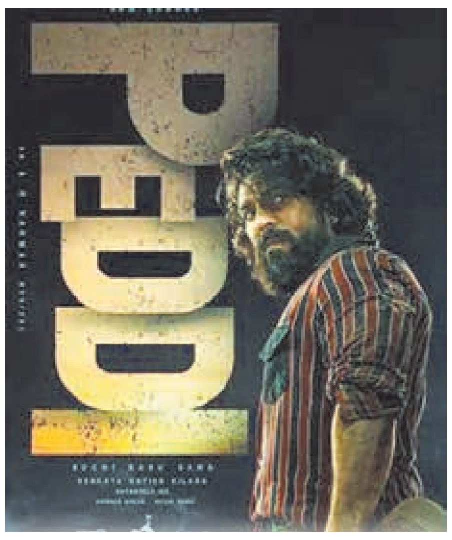

करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हुई जान्हवी कपूर

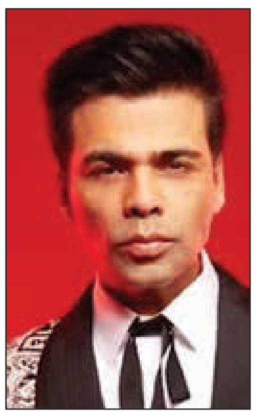

करण जौहर प्रोड्यूस कई फिल्मों में जान्हवी कपूर ने अभिनय किया है। लगता है कि अब वह अलग रास्ते पर चलना चाहती हैं कि यही वजह है कि हाल ही में वह करण जौहर की टैलेंट एजेंसी से अलग हो गई। हाल ही में बातचीत में करण जौहर कहते हैं, 'कुछ टैलेंट ऐसे होंगे जो हमारे पास आएंगे और चले जाएंगे। तीन बड़ी एजेंसियों के बीच हमेशा पासिंग द पार्सल जैसा खेल चलता रहता है।' करण जौहर ने यह भी बताया कि उनकी टैलेंट एजेंसी सबसे ज्यादा बिजनेस करती है।

क्या आगे जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे?

करण जौहर बातचीत में आगे कहते हैं, 'जिस किसी ने भी हमारी एजेंसी छोड़ी है, मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगा, उनके साथ काम भी करूंगा। कई बार ऐसा हुआ है कि उन्होंने हमारी एजेंसी छोड़ दी है, लेकिन मैं फिर भी उनके साथ काम करता रहता हूं।' इस जवाब से करण जौहर ने जता दिया कि वह आगे भी जान्हवी कपूर के साथ काम कर सकते हैं।

जान्हवी कपूर की आने वाली फिल्में कौन सी हैं?

करण जौहर की एजेंसी से अलग होने के बाद भी जान्हवी कपूर के पास बड़ी फिल्में हैं। वह जल्द ही साउथ एक्टर रामचरण के साथ फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी। पिछले साल वह फिल्म 'परम सुंदरी' और 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं।

'सुंदर पूनम' की पहली झलक आई सामने, रहस्यमयी किरदार में दिखीं सान्या मल्होत्रा

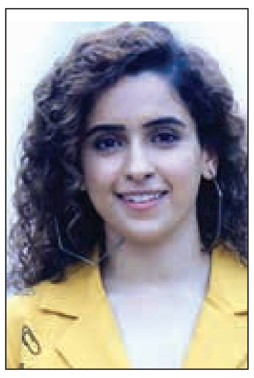

फिल्म 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन के जोड़े में नजर आईं। फर्स्ट लुक देखकर लगता है कि वह कोई आम दुल्हन नहीं है, उनके किरदार में कई परतें हैं। फर्स्ट लुक से लगता है कि फिल्म 'सुंदर पूनम' अपने स्टोरी से दर्शकों को चौंका देगी, इसमें थ्रिलर, सस्पेंस की डोज मिलेगी। 'सुंदर पूनम' के फर्स्ट लुक में सान्या मल्होत्रा दुल्हन बन है, उसका फोन लगातार बज रहा है। जिसमें सुंदर और राजू नाम के नंबर से फोन आ रहा है। आखिर में दुल्हन मुस्कुराती है। पीछे से एक खबर सुनाई देती है कि एक शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर में गायब हो गया।

जुनूनी प्यार और उलझा देने वाली कहानी दिखेगी

इस फिल्म में एक नया शादी-शुदा जोड़ा कश्मीर हनीमून पर जाता है। हनीमून के दौरान यह जोड़ा अचानक लापता हो जाता है। इसके साथ ही दुल्हन पूनम से जुड़ा एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सच सामने आता है। इसमें उसकी जुनून भरी प्रेम कहानी है और उलझा हुआ अतीत है, जो दर्शकों को चौंकाने के लिए काफी है।

क्या 8 साल बाद अल्लू अर्जुन संग वापसी करेंगी अनुष्का शर्मा

साउथ स्टार अल्लू अर्जुन अपनी आगामी फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'जवान' फिल्म के डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, फिल्म में कई बड़े स्टार्स हैं, जिनमें दीपिका पादुकोण लीड रोल में हैं। अब नई खबरों के अनुसार, अनुष्का शर्मा भी इस साइंस फिक्शन फिल्म में नजर आएंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बॉलीवुड की एक और बड़ी स्टार इस प्रोजेक्ट से जुड़ने वाली हैं। बताया जा रहा है कि वे फिल्म में शामिल होने के लिए बातचीत कर रही हैं और अगर यह सच साबित होता है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनुष्का शर्मा की आखिरी फिल्म

अनुष्का शर्मा आखिरी बार 2018 में शाहरुख खान और कटरीना कैफ के साथ आई फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं। तब से वो किसी लीड रोल में नजर नहीं आई हैं। यह बताना जरूरी है कि निर्माता के तौर पर काम करने के बाद से अनुष्का किसी भी एक्टिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। वह 2022 में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' में काम करने वाली थीं।

अनुष्का की फिल्म टलने की आशंका

हालांकि, इसके टलने की आशंका है और यहां तक कि इसके बंद होने की भी अफवाहें हैं। अनुष्का शर्मा और उनके पति विराट कोहली फिलहाल अपने बेटे और बेटी के साथ लंदन में रहते हैं।

अल्लू अर्जुन के साथ ये एक्ट्रेसेस भी

फिल्म की बात करें तो, खबरों के मुताबिक इस फिल्म में मृणाल ठाकुर, जाह्नवी कपूर और रश्मिका मंदाना समेत कई फीमेल एक्टर्स नजर आ रही हैं। ऐसी भी चर्चा है कि रश्मिका मंदाना फिल्म में निगेटिव रोल कर सकती हैं। अल्लू अर्जुन भी फिल्म में कई किरदारों में नजर आएंगे।

अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

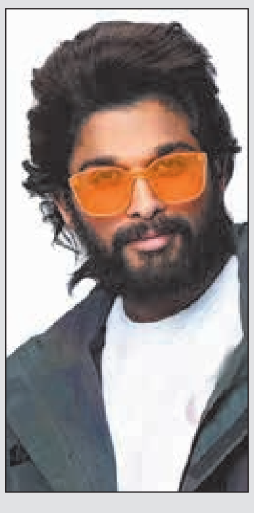

फिल्म का संगीत साई अभ्यंकर द्वारा तैयार किया जाएगा। वहीं, एटली के साथ काम करने के बाद, अल्लू अर्जुन लोकेश कनगराज के साथ काम करेंगे, जिसमें मशहूर संगीतकार अनिरुद्ध संगीत देंगे। फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है।

फिल्म सेट पर सपने की तरह बीते 25 साल

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोकिरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज स्पेस जेन: चंद्रयान को लेकर चर्चा में हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है। एक वर्किंग मां होना भी इंजॉय करना होता है।

फसलों के बीज जनित रोग का नियंत्रण आवश्यकता

बीज और बीज जनित रोगों का चोली दामन का साथ है अधिकांश बीमारियाँ बीजारूढ़ होती है जिनके नियंत्रण से बुआई पूर्व ही लाभ हो जाता है।

समुचित कटाई व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण

फसल की कटाई अगर सही समय पर की जाये तो स्वस्थ एवं रोग रहित बीज प्राप्त किया जा सकता है। कटाई से पूर्व किसान भाई अवांछित खरपतवार एवं उसी फसल की दूसरी किस्मों को तथा रोग्रस्त पौधों को अलग करके फसल की कटाई करें, कटाई के समय बीज में नमी का भी सही स्तर होना आवश्यक है, यदि बीज ज्यादा सूख जाता है तो दाबन के समय वह चोटिल हो जाता है और उगने में सक्षम नहीं रहता है, इसी प्रकार जरूरत से ज्यादा नमी होने पर बी के ऊपर फफूंद लगाने का भय रहता है, कटाई के पश्चात बीज को आधुनिक भंडारगृह में 8-8-5 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

बीजोपचार के लिए अनुशंसा

क्रमांक	फसल	रसायन का नाम	रसायन मात्रा ग्राम किग्रा
	सस्य फसलें		
1	धान	बाविस्टिन /थायरम	1 : 2
2	गेहूँ	विटावैक्स /रैक्सिल	2.5 /1.5
3	मक्का	थायरम / कैप्टान	3
4	अरहर, चना, मूँग, सनई	बाविस्टिन /थायरम	3
5	आलू	साफ / कम्पेनियन	2
6	मसूर	बाविस्टिन /थायरम	2 / 3
7	सरसों	बाविस्टिन / थायरम	2 / 2
8	मूँगफली	बाविस्टिन /थायरम	2 / 2
	शाक दृ सब्जियाँ		
1	मटर एवं अन्य फलीदार सब्जियाँ	कैप्टान / थायरम	3
2	भिण्डी	कैप्टान / थायरम	3
3	बैंगन	थायरम /बाविस्टिन	3 / 2
4	मिर्ची	बाविस्टिन	2
5	गोभी	बाविस्टिन	2
6	टमाटर एवं पत्तीदार सब्जियाँ	बाविस्टिन	2
7	गाजर, प्याज, मूली एवं शलजम	बाविस्टिन	2
8	बीन फलियाँ	बाविस्टिन	2

बीज की सफाई

बीज के साथ मिश्रित उसी फसल के तने, शाखा, फल्लियों, पत्तियों के टुकड़े तथा मिट्टी के कण पाये जाते हैं इन अवांछित भागों पर रोगकारक फफूंदियों जीवाणुओं के संक्रमण भाग उपस्थित हो सकते हैं, किसान हाथ द्वारा बीज को साफ करके रोगजनक के प्राथमिक स्त्रोत को नष्ट कर सकते हैं जैसे-गेंहू की टुंडू बीमारी के कॉकिल्स, अलसी रस्ट में संक्रमित भागों को तथा बाजरा के अर्गट में स्क्लेरोशिया को हाथ से निकालकर नष्ट किया जा सकता है।

बीजोपचार

बीजोपचार, बी जनित रोगों की रोकथाम का सबसे सस्ता व सरल उपाय है, बीजोपचार का मुख्य उद्देश्य बीज तथा भूमि में उपस्थित रोगजनकों से बीज की रक्षा करना है, बीजोपचार की निम्नलिखित विधियाँ हैंः

भौतिक विधियां

बीजोपचार की भौतिक विधियां प्राचीनकाल से ही प्रचलित है, 1670 में गेहूँ से भरे जहाज में समुद्र का खास पानी भर गया जब इस गेहूँ को पुनः सुखाकर बीज के रूप में बोया तब यह पाया गया कि उनसे उगे गेहूँ के पौधे बदबूदार कण्डवा रोग से ग्रस्त नहीं हुये रेमनेन्ट ने सन 1637 में नमक को बीजोपचारक रूप में प्रयोग कर गेहूँ के कण्डवा रोग की रोकथाम की इसी प्रकार प्राचीनकाल से ही यह प्रचलित है कि बोने से पूर्व बीज को सूर्च की तेज धूप में सुखाया जाये और फिर बोया जायें

सूर्यताप द्वारा बीजोपचार

बीज के आंतरिक भाग में (भूरण) में रोगजनक को नष्ट करने के लिए रोगजनक की सुषुप्तावस्था को तोड़ना होता है जिसके बाद रोगजनक बिल्कुल नाजुक अवस्था में आ जाता है जिसे सूर्य की गर्मी द्वारा नष्ट किया जा सकता है, गेहूँ, जौ एवं जई का छिदरा कंडवा रोग आंतरिक बीज जन्य रोग है। इनके नियंत्रण हेतु बीज को पहले पानी में 3-4 घंटे भिगोते हैं और फिर सूर्य ताप में 4 घंटे तक रखते हैं जिससे बीज के आंतरिक भाग में उपस्थित रोगजनक का कवकजाल नष्ट हो जाता है।

गर्म जल द्वारा बीजोपचार

इस विधि का प्रयोग अधिकतर जीवाणु एवं विषाणुओं की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस विधि में बीज या बीज के रूप में प्रयोग होने वाले भागों को 53-54 डिग्री सेल्सियस तापमान पर 15 मिनट तक रखा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते हैं जबकि बीज अंकुरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। जैसे यदि गाजर के बीज को गर्म जल में 50 डिग्री सेल्सियस पर 30 मिनट तक रखा जाये तो आल्टरनेरिया नष्ट हो जाता है।

गर्म वायु द्वारा

गर्म वायु के प्रयोग द्वारा भी बीजों को उपचारित किया जा सकता है, जैसे-टमाटर के बीजों को 6 घंटे तक 29-37 डिग्री सेल्सियस पर सुखाया जाये तो फाइटोपथोरा इन्फेस्टेंस का असर खत्म हो जाता है। इसी प्रकार यदि टमाटर के बीजों को 76 डिग्री सेल्सियस गर्म वायु में 2 दिन तक रखा जाये तो मोजेक रोग का प्रकोप कम होता है।

विकिरण द्वारा

इस विधि में विभिन्न तीव्रता की अल्ट्रावयलेट या एक्स किरणों को अलग-अलग समय तक बीजों पर गुजारा जाता है जिससे रोगजनक नष्ट हो जाते है।

रसायनिक बीजापेचार

इस विधि में रसायनिक दवाओं का प्रयोग किया जाता है ये दैहिक या अदैहिक फफूंदनाशक या एण्टीबायोटिक हो सकते हैं यह रसायनिक फफूंदनाशक बीज के अंदर अवशेषित होकर अंतः बीज जनित रोगाणुओं को नष्ट करते हैं या यह एक संरक्षक कवच के रूप में बीज के चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे बीज पर रोगाणुओं का संक्रमण नहीं हो पाता, फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में सर्वप्रथम 1760 में प्रयोग किया गया शुल्येश ने सर्वप्रथम गेंजू के कंडव रोग से बचाने हेतु कॉपर का प्रयोग किया 1913 में रहिन ने आर्गेनिक पारायुक्त फफूंदनाशक को बीजोपचारक के रूप में प्रयोग करने की सलाह दी। सन 1941 में हैरिंगटन ने घास (भान) रोग की रोकथाम के लिए थाइरम का उपयोग किया, सन 1952 में कैप्टन को बीजरक्षक फफूंदनाशक के रूप में उपयोग किया गया। सन 1968 में बेनोमिल की सर्वांगी फफूंदनाशक के रूप में खोज के पश्चात इस क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत हुई। तत्पश्चात कार्बोक्सिन, मेटालेक्सिन व दूसरे सर्वांगी फफूंदनाशक जैसे-थायरम, कैप्टान, एग्रोसान, डायथेन एम-45, डायफोलेटॉन की 2-5 से 3-0 ग्राम मात्रा जबकि दैहिक फफूंदनाशकों जैसे-कार्बोन्डाजिम, बीटावैक्स, वेनलेट, बेनोमिल की 1-5 से 2-0 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज के उपचार के लिए पर्याप्त होती है, फफूंदनाशक दवाओं से बीजोपचार मुख्यतः निम्न विधियों से किया जाता है

सूखा उपचार

यह विधि सोयाबीन, ज्वार, मूंगफली, उड़द, मूंग, अरहर, सूर्यमुखी, गेहूँ, चना, अलसी, सरसों आदि के लिए उपयुक्त हैं, बीजोपचार के लिए बीज तथा फफूंदनाशक दवा की उपयुक्त मात्रा को बीजोपचार ड्रम या मिट्टी के घड़े में डालकर 10 मिनट तक घुमाते है।

गीला उपचार

यह विधि प्रायः ऐसी फसलों के लिए प्रयोग में लाई जाती है जिसके कंद तथा तना आदि बीज के रूप में प्रयोग किये जाते हैं जैसे-गन्ना, आलू, अदरक, हल्दी, लहसुन, अरबी आदि बीजोपचार के लिए आवश्यक मात्रा में पानी व दवा का घोल बनाकर उसमें 10 मिनट तक बीज को डुबोकर रखते फिर बोनी करते है।

स्लीरी विधि

यह एक व्यापारिक विधि है जिसमें बड़े स्तर पर बीजोपचार करते हैं इस विधि में कवकनाशी की निर्धारित मात्रा का गाढ़ा पेस्ट बनाकर बीज की मात्रा के साथ अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह से मिलाया जाता है व अच्छी तरह सुखाने के पश्चातबीज को बेचने के लिए पैक कर संग्रहित करते हैं।

धूमीकरण

बीजजन्य रोगों के नियंत्रण हेतु यह एक अच्छी विधि है इस विधि में सोयाबीन के बीजों को फार्मेल्डिहाइड के साथ 2 घंटे तक या हाइड्रोजोइक अम्ल को 53 घंटे तक धूमीकृत करने से 80 प्रतिशत तक जीवाणु मुक्त बीज मिलते हैं।

जैविक बीजोपचार

यह कवकीय या जीवाणुवीय उत्पति के होते हैं जो कि पीथियम, राइजोक्टोनिया, फ्यूजेरियम, फाइटोफ्थोरा स्केलेरोशियम, मैक्रोफोमिना इत्यादि होने वाली विभिन्न बीमारियों जैसे-जड़ गलन, अर्द्रगलन, उकठा, बीज सड़न, अंगमारी आदि को नियंत्रित करते हैं, जैव नियंत्रण हानिकारक कवकों के लिए या तो स्थान, पोषक पदार्थ, जल, हवा की कमी कर देते हैं या फिर रोगजनक के शरीर से चिपककर उसकी बाहरी परत को कुछ प्रति जैविक पदार्थ द्वारा उपयोग कर लेते हैं जिससे रोगकारक जीव नष्ट हो जाता है। ट्राइकोडर्मा प्रजाति, वैसिलस सबटिलिस, स्यूडोमोनास प्रजाति, ग्लोमस प्रजाति प्रमुख जैव नियंत्रण हैं जिनकी 4-5 ग्राम मात्रा बीजोपचार के लिए पर्याप्त है।

स्वयं बीज का उत्पादन कैसे करें किसान

कृषक यदि अपना स्वयं का बीज तैयार करें तो वह बहुत सी समस्याओं से बचकर कम लागत में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकता हैः

रकबा व क्षेत्र का चुनाव

किसान भाई जितने क्षेत्र में फसल उगाना चाहें उसके दशवें भाग में बीजोत्पादन करना चाहिए अर्थात यदि 10 एकड़ की फसल के लिये बीज तैयार करना हो तो एक एकड़ जमीन में बीज बोने की जरूरत होगी। बीजोत्पादन हेतु ऐसा खेत चुने जिसमें पिछले सीजन में वह फसल न उगाई गई हों, खेत अच्छी तरह समतल हो, मिट्टी उपजाऊ तथा कार्बनिक पदार्थों से पूर्ण हो जैसे-हरी खाद, गोबर खाद, वर्मी कम्पोस्ट आदि खेत सिंचित हो तो अच्छा रहेगा।

भूमि की तैयारी एवं किस्म का चुनाव

फसल की कटाई के उपरांत फसल के अवशेषों को खेत से हटा देना चाहिए, तीन-चार जुताई करके खेत की मिट्टी भुरभुरी कर लेना चाहिए, खेत में पानी का भराव नहीं होना चाहिए।

बीज-बीज उत्पादन के लिए किस्म का चुनाव भौगोलिक क्षेत्र की कृषि-जलवायु के अनुकूल होना चाहिए। बोये जाने वाले बीज की अनुवांशिक शुद्धता व बीज की अन्य गुणवत्ता विश्वसनीय व प्रमाणित होनी चाहिएं यदि किसान भाई 'आधार बीज' का उत्पादन करना चाहते हैं, तो उसके लिये 'प्रजनक बीज' की बुवाई की जाती है तथा यदि किसान भाई 'प्रमाणित बीज' का उत्पादन लेना चाहते हो तो बीज के लिये 'आधार बीज' बोना चाहिए, किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य कराने के उद्देश्य से बीज का प्रगुणन चार चरणों में किया जाता है जो इस प्रकार है

अंकुरण की जांच एवं बीजोपचार

बीज का उपचार थीरम तथा वाविस्टीन (1:1) कवकनाशियों से 3 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से करें, इसके बाढ़ राइजोबियम कल्चर तथा पी.एस.बी. का भी प्रयोग किया जाना चाहिए, इनकी दर 5 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से रखना चाहिए।

बुवाई-बीज उत्पादन हेतु फसल की बुवाई सही समय पर होनी चाहिए, निर्धारित कतार में ही करें साथ ही लाइन व पंक्ति की दूरी फसल के अनुरूप होनी चाहिए।

खाद तथा उर्वरक

बीज की गुणवत्ता तथा भूमि की भौतिक दशा बनाये रखने के लिये 10-15 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति हेक्टर की दर से हर तीसरी वर्ष डालना चाहिए, उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में करना चाहिए। पौधों की वांछनीय वृद्धि के लिए उर्वरकों को भूमि में 5-7 सेमी? की गहराई पर बीज के नीचे डालना चाहिये।

जल प्रबंधन

आवश्यकता से अधिक पानी को खेत में अति शीघ्र निकाल देना चाहिए, निम्न अवस्थाओं में पानी की कमी होना सबसे हानिकारक होता है, जैसे-अंकुरण की अवस्था, फूल आने पर, फली बनने पर व दाना भरने की अवस्था में यदि पानी की कमी होगी तो बीज की गुणवत्ता खराब होगी।

विभिन्नता दिखाने वाले पौधों को पहचानना व निकालना

बीज की जातीय शुद्धता बनाये रखने के लिए फसल का समय-समय पर सावधानीपूर्व क निरीक्षण करते रहना चाहिए। यदि फसल के अंदर कोई अन्य जाति या किस्म के पौधे उग आये हो अथवा रोग व कीटग्रस्त पौधों को निकालते रहे, जिस किस्म का बीजोत्पादन कर रहे हैं, उसके पौधों के गुणों से भिन्न गुणों वाले पौधों को फूल आने के पूर्व या फूल आते ही निकाल देना चाहिए। साथ ही फसल में किसी प्रकार के खरपतवार भी नही चाहिए।

कटाई व गहाई

फसल की कटाई समय पर ही करनी चाहिए, समय से पहले कटाई करने से बीज सिकुड़े हुए झुर्रीदार व दाने हरे बनने की समस्या होती है, जबकि देर से कटाई करने पर फली चटखने की सम्भावना रहती है। कटाई के समय 95 प्रतिशत फल्लियाँ पकी होनी चाहिए। फसल की गहाई जिस स्थान अथवा यंत्र से करें उसे भली-भांति साफ कर लें ताकि दूसरे किस्म के बीज न मिल पाये। बीज को सुखाने, सफाई व श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) पक्के फर्स या त्रिपाल पर करें, बीज को 2-3 दिन धूप में सुखायें जिससे उपर्युक्त नमी हो जाये। परन्तु बीज को कभी भी सीधे सूर्च के प्रकाश में अधिक तापमान पर न सुखायें, बीज को अच्छी तरह साफ करें, फल्लियों व पौधों के टुकड़े मिट्टी, कंकड़, खरपतवार के बीज, टूटे-फूटे बीज आदि निकाल देना चाहिए। इसके पश्यात मशीन या हाथ के छलनी से श्रेणीकरण (ग्रेडिंग) करें तथा हल्के सुकड़े तथा रोगग्रस्त बीज निकाल दें।

बीजोपचार

स्वस्थ एवं नीरोग बीज के द्वारा ही फसलों का वांछित उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। बीजों को अस्वस्थ करने वाले कारकों में कवक, जीवाणु तथा सूत्रकृमि मुख्य हैं। बहुत से रोगों के जनक बीज के साथ, बीज की सतह पर या बीज के अन्दर रहते हैं तथा बीज को अस्वस्थ कर देते हैं। रोगी बीज का जमाव कम होता है तथा बीज के साथ रोगजनक एक जगह से दूसरे जगह आसानी से पहुँच जाते हैं। प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने या बीजोपचार द्वारा फसल को बीजजनित रोगों से प्रारंभिक अवस्था में बचाया जा सकता है। रासायनिक बीजोपचार द्वारा बीजजनित रोग जनकों के नियंत्रण के साथ-साथ फसल की प्रारंभिक अवस्था में लगने वाले मृदाजनित रोगों से भी सुरक्षा मिलती है तथा जमाव अच्छा होता है। बीजोपचार सस्ता एवं सुविधाजनक भी हैं बीजोपचार अवश्य करना चाहिए। रसायन उपचारित बीज को कभी भी जानवरों या मनुष्यों को नहीं खिलाना चाहिए तथा बीजोपचार करने के लिए प्रयुक्त ड्रम या बर्तन को कभी भी पानी या अनाज रखने के लिए प्रयोग न करें। कुछ प्रमुख फसलों के लिए राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा अनुशंसित बीजोपचार के लिए अपेक्षित मात्रा नीचे दी जा रही है।

अनाज के सुरक्षित भण्डारण के उपाय

नरेन्द्र कुमार एवं विवेक कुमार कीट विज्ञान विभाग एवं उद्यान विज्ञान विभाग विद्यावाचस्पति शोध छात्र, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का होता है। अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधि अपनाने की जरूरत होती हैए जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहेए कीटोंए नमीए फफूंद आदि से बचाया जा सके। भण्डारण की सही जानकारी न होने से 10 से 15 प्रतिशत तक अनाज नमीए दीमकए घुनए बैक्टीरिया द्वारा नष्ट हो जाता है। अनाज को रखने के लिए गोदाम की सफाई कर दीमक और पुराने अवशेष आदि को बाहर निकालकर जलाकर नष्ट कर दे। दीवारों, फर्श एवं जमीन आदि में यदि दरार हो तो उन्हे सीमेंटए ईट से बंद करे दें। टूटी दीवारों आदि की मरम्मत करा दें।

भण्डारण में होने वाली इस क्षति को रोकने के लिए किसान सुझावों को ध्यान में रखकर अनाज को भण्डारित कर सकते हैं। अनाजों को अच्छी तरह से साफ-सुथरा कर धूप में सुखा लेना चाहिए, जिससे कि दानों में 10 प्रतिशत से अधिक नमी न रहने पाए। अनाज में ज्यादा नमी रहने से फफूंद एवं कीटों का आक्रमण अधिक होता है। अनाज को सुखाने के बाद दांत से तोड़ने पर कट की आवाज करें तो समझना चाहिए कि अनाज भण्डारण के लायक सूख गया है। इसके बाद अनाज छाया में रखने के बाद ठंडा हो जाने के बाद ही भण्डार में रखना चाहिए।

भंडारण के लिए तैयार करें लकड़ी और तख्ते का मंच: अनाज से भरे बोरे को भण्डार गृह में रखने के लिए फर्श से 20 से 25 सेमी की ऊंचाई पर बांस या लकड़ी के तख्ते का मंच तैयार करना चाहिए, जो दीवार से कम-से-कम 75 सेमी की दूरी पर हो। बोरियों के छल्लियों के बीच भी 75 सेमी खाली स्थान रखना फायदेमंद होता है। गोदाम में पक्षियों एवं चूहों के आने-जाने के रास्ते को बंद कर देना चाहिए।

अनाजों व दालों का भंडारण

कुछ पारंपरिक अन्न भंडारण के तरीके जैसे आनाजों व दालों के कड़वा तेल लगानाए राख मिलानाए नीम, लहसुन व करंज के पत्ते कोठी में बिछाना, सूखे हुए लहसुन के डंठल रखना आदि। अनुसंधानों द्वारा यह पाया गया कि परंपरागत तरीके से आनाज व दालों में 10-20 प्रतिशत तक राख मिलाने से वो खराब नहीं होते पर आवश्यक है कि राख को छानकर व सुखा कर ही डाला जाय। राख की रगड़ खाकर कीड़े मर जाते और दानों के बीच की जगह जहां हवा हो सकती है, वहां राख आ जाने से हवा नहीं रहती। इस प्रकार राख मिलाना लाभप्रद होता है।

भंडारण करने से पहले यह सावधानियां जरूरी

- अनाज भरे बोरे को छल्लियों या अन्न के ढेर को प्रधूमित करने के लिए एल्मुनियम फॉस्फाइड का पाउच आवश्यकतानुसार रखकर पॉलीथीन चादर से अच्छी तरह ढक कर उसके किनारे को सतह के साथ गीली मिट्टी से वायुरुद्ध कर देना चाहिए।
- चूहों से बचाने के लिए एक ग्राम जिंक फॉस्फाईड और उन्नीस ग्राम सत्तू या आटा में थोड़ा सरसों तेल मिलाकर एवं लगभग 10 ग्राम की गोली बनाकर चूहों के आनेज़ाने के रास्ते पर गिनती में रख देना चाहिए।
- खुले हुए अनाज पर कीटनाशी नहीं रखना चाहिएए चूहा शंकालु प्रवृत्ति का होता है। इसलिए बदलब़दल कर विषाक्त चाराए चूहेदानी एवं टिकिया को रखना चाहिए। दवा अनाज में देने के बाद हाथ साबुन से अच्छी तरह धो लेना चाहिए।
- पुराना आनाज एवं भूसा इत्यादि को निकल कर एक महीने पहले सफाई कर चूहों द्वारा किए गए छेद एवं अन्य टूटफ़ूट की मरम्मत कर नीम की पत्ती का प्रधुमन करके अच्छी तरह से भण्डारण को बंद कर देंए जिसमें छुपे हुए भण्डारण कीट नष्ट हो जाए एवं अन्य भण्डारण बोरी को खौलती नीम की पत्ती वाले पानी में शोधित कर अच्छी तरह सुखा ले।
- अन्न का भंडारण करते समय हवा के रुख को अवश्य ध्यान रखे अगर पुरवा हवा चल रही होए तब अन्न का भंडारण न करें। अनाज भंडारण में नीम की पत्ती का प्रयोग करते समय नीम पत्ती सूखी होनी चाहिए। इसके लिए नीम पत्ती को भण्डारण से 15 दिन पहले किसी छायादार स्थान पर कागज पर रख कर सुखा ले उसके बाद अन्न की बोरी में रखे।

भंडारण गृह में न हो सीलन

भण्डारण के लिए वैसे भण्डार गृह का चयन करना चाहिए, जहां सीलन नमी न हो एवं चूहों से अन्न का बचाव किया जा सके। भण्डार-गृह हवादार हो एवं जरूरत पड़ने पर वायु भी किया जा सके। भण्डार से पूर्व पक्का भण्डार गृह एवं धातु की कोठियों को साफ़ सुथरा कर लेना चाहिए एवं कीटमुक्त करने के लिए मेलाथियान 50 प्रतिशत का पानी में 1रू100 में बने घोल को दीवारों एवं फर्श पर प्रति एक सौ वर्ग मीटर में तीन लेयर घोल की दर से छिड़काव करना चाहिए। बोरियों में अनाज भर कर रखने के पहले इन बोरियों को 20-25 मिनट तक खौलते पानी में डाल देना चाहिए। इसके बाद धूप में अच्छी तरह सूखा देना चाहिए अथवा छिड़काव के लिए बने मालाथियान 50 प्रतिशत के घोल में बोरियों को डुबाकर फिर बाहर निकालकर सुखा लेना चाहिए। ठीक से सूख जाने के बाद ही उसमें अनाज भरना चाहिए।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com